A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 12 मार्च, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 184, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

वर्चस्व पर संकट का कवच बनती हिंदी विरोध की राजनीति

उमेश चतुर्वेदी

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नई बात नहीं है। हिंदी के विरोध में जिस तरह स्टालिन ने रोजाना आधार पर मोर्चा खोल रखा है, वह 1965 के हिंदी विरोधी आंदोलन की याद दिला रहा है। संवैधानिक प्रावधानों की वजह से 26 जनवरी 1965 को हिंदी को राजभाषा के तौर पर जिम्मेदारी संभालनी थी, जिसके विरोध में सीए अन्नादुरै की अगुआई में पूरी द्रविड़ राजनीति उतर आई थी। तब हिंदी विरोध के मूल केंद्र में तमिल उपराष्ट्रीयता थी। उसके लिए तब यह साबित करना आसान था कि उस पर हिंदी थोपी जा रही है। तब आज की तरह सूचना और संचार की सहूलियतें नहीं थीं, तब दक्षिण और उत्तर के बीच आज की तरह सहज संचार नहीं था, तब आज की तरह मीडिया का इंटरनेटी वितान नहीं था। लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। लिहाजा इस संदर्भ में स्टालिन के मौजूदा हिंदी विरोध की तह में जाना जरूरी हो जाता है।

चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर उत्तर भारत के किसी हिंदीभाषी इलाके का, उसके हाथ में अगर फोन है, उसमें अगर इंटरनेट का कनेक्शन है तो तय है कि उसकी उंगलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं। इसलिए कम से कम सूचना और संचार के ऐसे माध्यमों पर किसी सरकार की वजह से भाषायी बंधन आज के दौर में हो भी नहीं सकता। इंटरनेट क्रांति के पहले भाषाओं के विस्तार में बाजार ने जो भूमिका निभाई, उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। आज का बाजार वर्ल्ड वाइड वेब यानी डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू के पंखों के सहारे कहीं और तेजी से फैल तो रहा ही है, फल-फूल भी रहा है। इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और कोई दीवार उसे रोक सकती है। बेशक तमिलनाडु भाषायी स्तर पर अपनी अलग पहचान रखता है, लेकिन वह भी हमारे देश का हिस्सा है। मौजूदा स्थिति में तेजी से विकसित होता राज्य है और उसे अपने उत्पादन केंद्रों के लिए कामगारों की जरूरत है। जिसकी आपूर्ति उत्तर भारत के ही राज्य करते हैं। उसके निजी शैक्षिक केंद्रों के लिए विद्यार्थियों की भी जरूरत है। उत्तर भारत की जो शैक्षिक स्थिति है, उसकी असलियत सबको पता है। इस वजह से उत्तर भारतीय छात्रों की आवक भी तमिलनाडु में खूब है। ऐसे माहौल में वैसे तो हिंदी विरोध के औचित्य पर ही सवाल है। फिर भी स्टालिन विरोध कर रहे हैं तो उसके अपने कारण हैं।

संचार और सूचना क्रांति और तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, लेकिन उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने या प्रतिक्रिया में सौदा-सुलफ मुहैया कराने वालों की तादाद बढ़ी है। हिंदी या कोई अन्य भाषी वैसे भी तमिल संस्कृति को इसलिए बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकते, क्योंकि तमिल संस्कृति और भाषा दुनिया की पुरानी संस्कृतियों में से एक है और उसकी जड़ें बहुत गहरी हैं। फिर तमिलनाडु की ऐसी स्थिति नहीं है कि दिल्ली, जालंधर, सूरत, लुधियाना, मुंबई की तरह तमिलनाडु के शहरों में हिंदी भाषियों की बाढ़ आ जाएगी। वहां हिंदी भाषियों की बाढ़ होने के बावजूद क्या स्थानीय संस्कृति और भाषाओं पर संकट आया? दरअसल होता यह है कि बाहर से आया व्यक्ति स्थानीय संस्कृति और समाज के लिहाज से वहां व्यवहृत भाषा को अपने सामाजिक और सार्वजनिक कामकाज की भाषा बनाता है, लेकिन उसकी सार्वजनिक संपर्क भाषा वहां की स्थानीय भाषा ही होती है। असल बात यह है कि तमिलनाडु की राजनीति में पिछली सदी के साठ के दशक से ही स्थानीय द्रविड़ राजनीति का वर्चस्व बना हुआ है। कभी डीएमके तो कभी एआईडीएमके जैसी स्थानीय पार्टियां ही सत्ता की मलाई खाती रही हैं। सही मायने में देखें तो ये महज स्थानीय पार्टियां ही नहीं हैं, बल्कि अपने-अपने हिसाब से तमिल उपराष्ट्रीयता का ही प्रतिनिधित्व करती हैं। तमिल उपराष्ट्रीयता होना बुरी बात नहीं है, लेकिन वह राष्ट्रीयता पर हावी नहीं होनी चाहिए। लेकिन यह कड़वा सच है कि तमिल उपराष्ट्रीयता राष्ट्रीय मूल्यों पर हावी रहती रही है। तमिल उपराष्ट्रीयता के ही जरिए द्रविड़ राजनीति तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज रही है। लेकिन संचार और सूचना क्रांति के दौर में अब तमिल उपराष्ट्रीयता वाली सोच को लगने लगा है कि अगर हिंदी आई तो उसके जरिए राष्ट्रीयता की विचारधारा मजबूत होगी। जिसका असर स्थानीय राजनीति पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। हिंदी या किसी भी सामान्य संपर्क भाषा के ज्यादा प्रचलन से कट्टरतावदी स्थानीय सोच को चोट पहुंचेगी और इसके साथ ही तमिल माटी में राष्ट्रीय राजनीति की जगह मजबूत होगी। जिसका आखिर में नतीजा हो सकता है कि द्रविड़ राजनीति की विदाई। कह सकते हैं कि स्टालिन को यही डर सताने लगा है। उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने त्रिभाषा फॉर्मूला स्वीकार कर लिया, नई शिक्षा नीति को राज्य में लागू होने दिया तो जिस स्थानीयता केंद्रित भावना प्रधान राजनीति वह या उनके साथी स्थानीय दल करते हैं, उसका प्रभाव छीजने लगेगा। इससे स्थानीय राजनीति में उनका वर्चस्व कमजोर होगा और हो सकता है कि एक दौर ऐसा आए कि दूसरे राज्यों की तरह यहां भी राष्ट्रीय राजनीति हावी हो जाए। 1967 के विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद से कांग्रेस यहां की केंद्रीय राजनीति से बाहर है। तब से वह कभी डीएमके तो कभी एआईडीएमके की पिछलग्गू बनी रही है। कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय जनता पार्टी की भी रही है। 2024 के आम चुनावों को छोड़ दें तो बीजेपी को भी इन्हीं दलों की बैसाखी की आस रही है। हालांकि हाल के दिनों में पूर्व अधिकारी अन्नामलाई के जरिए बीजेपी राज्य में ताल ठोक रही है। अन्नामलाई को तमिलनाडु का खुला आसमान देने के लिए बीजेपी वहां के अपने पुराने नेताओं सीपी राधाकृष्णन और एल गणेशन को राजभवन भेज चुकी है। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा के चुनाव हैं। स्टालिन को इस बार लग रहा है कि बीजेपी के जरिए इस बार राष्ट्रीय राजनीति राज्य में अपनी ताकतवर पहुंच बना सकती है। अगर ऐसा होता है तो निश्चित है कि द्रविड़ राजनीति के वर्चस्व को निर्णायक चुनौती मिलेगी। यही डर उन्हें हिंदी विरोध की ताजा आंच को जलाने के लिए मजबूर कर रहा है। हिंदीभाषी समाज, उत्तर भारतीय और राष्ट्रीय पहुंच वाली राजनीति को इस नजरिए को भी ध्यान रखना होगा।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

● जीआईएस-भोपाल में ओडीओपी-एक्सपो से मिलेगी लोकल उत्पादों को वैश्विक पहचान: मुख्यमंत्री

स्थानीय कारीगरों को मिलेगा ग्लोबल-वोकल सपोर्ट

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 'एक जिला-एक उत्पाद' हमारे कारीगरों और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में आयोजित 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) एक्सपो ने स्थानीय कारीगरों और किसानों के उत्पादों को वैश्विक मंच प्रदान किया। जीआईएस-भोपाल में 38 जिलों के विशिष्ट ओडीओपी उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें परंपरा और नवाचार का अनूठा संगम देखने को मिला।

खाद्य और कृषि उत्पादों को मिली नई पहचान

ओडीओपी-एक्सपो में खाद्य, मसाले और फलों से जुड़े 38 जिला विशिष्ट उत्पादों को उनके निर्माण प्रक्रिया के साथ प्रदर्शित किया गया। इन उत्पादों की खरीद और निर्यात के अवसर भी उपलब्ध कराए गए। साथ ही, निवेशकों ने विशिष्ट उत्पादों के सेंपल लिए, जिससे भविष्य में व्यापारिक संबंध स्थापित होने की संभावना बढ़ी।

- **मध्यप्रदेश के विशिष्ट ओडीओपी उत्पाद-** मध्यप्रदेश में ओडीओपी के तहत विभिन्न जिलों के पारंपरिक, वस्त्र और कृषि उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इनमें बुरहानपुर का केला, ग्वालियर के आलू आधारित उत्पाद और स्टोन टाइल्स, खरगोन की मिर्च उत्पाद, मंदसौर के लहसुन उत्पाद, नीमच के धनिया उत्पाद, सतना के टमाटर आधारित उत्पाद, मुरैना की गजक और सरसों उत्पाद, इंदौर के आलू आधारित उत्पाद शामिल है।
- **राज्य के इन उत्पादों को मिला है जीआई टैग-** बाग प्रिंट, बालाघाट का चिन्नौर चावल, दतिया और टीकमगढ़ बेल धातु का कार्य, चंदेरी साड़ी, गोंड पेन्टिंग, ग्वालियर के हैन्डमेड कारपेट, जबलपुर का पत्थर शिल्प, झाबुआ का कड़कनाथ, इंदौर के चमड़े के खिलौने, माहेश्वरी की साड़ी, मुरैना की गजक, रतलामी सेव, रीवा का सुन्दरजा, उज्जैन का बटिक प्रिंट, सीहोर का शरबती गेहूँ, वारासिवनी की हेण्डलूम साड़ी, डिण्डोरी के मेटल वर्क को जीआई टैग मिला है।

कला, हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों का हुआ सजीव प्रदर्शन

एक्सपो में ओडीओपी के लिए विशेष स्टॉल लगाए गए, जिन्हें लाइव काउंटर और प्रोसेस काउंटर में विभाजित किया गया। लाइव काउंटर में बाग प्रिंट, जरी जरदोजी, बटिक प्रिंट, कालीन, चंदेरी साड़ी, बांस, बलुआ पत्थर और कपड़े की जैकेट जैसे आठ प्रमुख उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया को कारीगरों ने लाइव प्रदर्शित किया। जीआईएस-भोपाल में आयोजन के दौरान विदेशी निवेशकों और उद्योगपतियों ने स्थानीय कारीगरों के हुनर को करीब से देखा और उनकी कार्यशैली को समझा। एक्सपो के 'कुम्हार पुरा' और 'टेक्निकल ज़ोन' के लाइव काउंटर भी प्रमुख आकर्षण का केंद्र बने रहे।

विस में अभिभाषण पर चर्चा के दौरान हंगामा, कांग्रेस का वाकआउट, आज होगा बजट पेश

● सिंघार ने प्रमुख सचिवों की गैरमौजूदगी पर उठाया सवाल ● सभापति बोले- सदन में जवाबदारी मंत्रियों की

भोपाल (नप्र)। बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान हंगामा हो गया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सदन में विभागों के प्रमुख सचिवों की गैरमौजदूगी पर सवाल उठाया।उन्होंने कहा कि यह कितनी लापरवाही है कि राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है, लेकिन किसी भी विभाग का प्रमुख सचिव मौजूद नहीं है। राज्य सरकार भी गंभीर नहीं है। सिर्फ दो मंत्री सदन में मौजूद हैं। इस पर मंत्री बोले कि सदन में जवाबदारी मंत्रियों की होती है। सभापति के भी जवाब से असंतुष्ट होकर कांग्रेस विधायकों ने सदन से वाक आउट कर दिया।

कांग्रेस विधायक ने शिक्षकों की कमी पर सवाल उठाया- चर्चा के बीच में ही विधायक जयवर्धन सिंह ने प्रदेश के स्कूलों में 70000 शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया। क

प्लास्टिक के सांप लेकर विधानसभा पहुंचे कांग्रेस विधायक- इससे पहले आज सुबह कांग्रेस विधायक प्लास्टिक के सांप लेकर विधानसभा पहुंचे। गांधी प्रतिमा के सामने बेरोजगारी को लेकर प्रदर्शन किया। विपक्ष का कहना है कि बीजेपी सरकार नौकरियों पर सांप की तरह कुंडली मारकर बैठी है। युवा परेशान हो रहे हैं।

केवलारी विधायक का गेहूं की बालियों के साथ प्रदर्शन- केवलारी विधायक रजनीश सिंह ने गेहूं की बालियां लेकर प्रदर्शन किया। वे बालियों के साथ ही सदन के भीतर जाना चाहते थे। लेकिन मार्शल ने उन्हें रोक लिया। इस पर विधायक उनसे बहस करने लगे। सिंह ने कहा कि किसानों को न तो पर्याप्त बिजली मिल रही है, न ही पानी। मैं स्पीकर को ये सूखी बालियां भेंट करना चाहता हूं। किसानों की वेदना दिखाना चाहता हूं।

डाक्टर मोहन यादव सरकार का दूसरा आम बजट आज विधानसभा में पेश किया जाएगा। बुधवार को उप मुख्यमंत्री वित्त जगदीश देवडा सुबह 11 बजे सदन में बजट पेश करेंगे। बजट करीब सवा चार लाख करोड़ रूपए का अनुमानित है। बजट में सरकार के चार मिशन युवा, नारी, गरीब और किसान पर फोकस रहेगा। बता दें कि पिछला लगभग बजट 3 लाख 65 हजार करोड़ रूपए का था।

सुप्रभात

कभी तुम मुझे

कभी तुम मुझे
उज्ज्वल बनाती हो
अपने शील के
प्रकाश से

कभी तुम मेरे
आँसुओं को
गीत बना देती हो

कभी तुम मुझे
रसमय बनाती हो
वाणी के मीठे रस से

कभी तुम खुद
पी लेती हो
विष का प्याला
मीरा की तरह
और अमर हो जाती
हो।

कभी तुम मुझे
बल देती हो
हर मुश्किल में
खुश रहने का

- दुर्गाप्रसाद झाला

हाईकोर्ट ने दिए आदेश

गैर मान्यता वाले कॉलेजों में प्रवेश पर होगी एफआईआर

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के विधि छात्र व्योम गर्ग और शिखा पटेल ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बताया कि उन्होंने सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्टीट्यूट से प्रवेश लिया था। कोर्स पूरा करने के बाद जब उन्होंने स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्य प्रदेश में

रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया, तो उनका रजिस्ट्रेशन यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया गया कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने रिन्यूअल फीस जमा न होने के कारण संस्थान की मान्यता समाप्त कर दी है।

- **हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान-** याचिकाकर्ता छात्रों की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर करने पर अदालत ने इसे गंभीरता से लिया और प्रदेशभर के उन शैक्षणिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए, जो इस तरह के कामों में शामिल हैं। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए पुलिस कमिश्नर, भोपाल को पूरे प्रकरण की जांच करने का आदेश दिया है। साथ ही बार काउंसिल ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों को इस जांच में पुलिस का सहयोग करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा, अदालत ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त न होने पर सभी शैक्षणिक संस्थान और विश्वविद्यालय अपने पोर्टल पर स्पष्ट रूप से इसका उल्लेख करें। सभी विधि विश्वविद्यालय और लॉ कॉलेज अपने पोर्टल को हर वर्ष मार्च माह में अपडेट करें, ताकि कोई भी छात्र गुमराह न हो सके।

संस्थान छात्रों के करियर से खिलवाड़ न करें

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी आदेश दिया कि बिना मान्यता के एलएलबी और एलएलएम में प्रवेश देने वाले कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।बार काउंसिल ऑफ इंडिया ऐसी व्यवस्था बनाए, जिससे कोई भी संस्थान छात्रों के करियर से खिलवाड़ न कर सके।

मॉरीशस में मोदी ने राष्ट्रपति को महाकुंभ का गंगाजल दिया

पोर्ट लुइस (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के मॉरीशस दौरे पर हैं। ये उनकी राजकीय यात्रा है। उन्होंने मंगलवार दोपहर मॉरीशस के राष्ट्रपति धरम गोखूल से मुलाकात की। पीएम ने राष्ट्रपति धरम को गंगाजल और उनकी पत्नी को बनारसी साड़ी गिफ्ट दी। इससे पहले पीएम मोदी मंगलवार सुबह करीब 8 बजे पोर्ट लुई एयरपोर्ट पर उतरे। यहां मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम ने उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से रवाना होकर पीएम होटल पहुंचे। यहां भारतीय प्रवासियों ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ उनका स्वागत किया और तिरंगे लहराए।

मोदी के स्वागत में मॉरीशस की महिलाओं ने पारंपरिक बिहारी 'गीत गवई' गाया। पीएम मोदी कल मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल होंगे। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर स्वागत के लिए मॉरीशस के पीएम का आभार जताया।

अंताक्षरी में दिखाई देगी भारतीय वाचिक परंपरा

विक्रमोत्सव

डॉ. जफर महमूद
उज्जैन से

उज्जैन। विक्रमोत्सव अंतर्गत 13 मार्च को घंटाघर चौराहा (टॉवर चौक) पर अंताक्षरी का आयोजन होगा है। इसमें प्रतिभागी संस्कृत के श्लोक, हिंदी कविता, गीत, और फिल्मी गानों के साथ अंताक्षरी में हिस्सेदारी करेगें। अभिनेता अन्नू कपूर इसका संयोजन करेंगे। उज्जयिनी अंताक्षरी के लिए होटल अंजूश्री में ऑडिशन हो रहा है। यह ऑडिशन 12 तारीख को भी जारी रहेगा। यह पूरी तरह निशुल्क है। ऑडिशन से 60-70 प्रतिभागियों को चुना जाएगा। सिलेक्ट होकर आखिरी राउंड तक पहुंचने वाले 24 प्रतिभागियों की 6 टीम बनाकर 13 मार्च को फाइनल राउंड होगा। फाइनल राउंड में सबसे पहले गानों से जुड़े सवाल होंगे, इसके बाद फुटेज दिखाया जाएगा जिसमें बर्जर राउंड होगा।

अभिनेता अन्नू कपूर एवं मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार श्री राम तिवारी

अभिनेता अन्नू कपूर का कहना है भारतीय परंपरा में अंताक्षरी एक लोकप्रिय पारंपरिक खेल है, जो मुख्य रूप से गीतों, श्लोकों या कविताओं के माध्यम से खेला जाता है। यह खेल भारत की सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा है। प्राचीन समय में इसे संस्कृत श्लोकों के रूप में भी खेला जाता था। अंताक्षरी न केवल मनोरंजन का एक साधन है, बल्कि यह भारतीय संगीत, भाषा और संस्कृति को जीवंत बनाए रखने का एक तरीका भी है। यह परंपरा आज भी हर पीढ़ी के बीच उतनी ही लोकप्रिय है जितनी पहले थी।

अभिनेता का मानना है कि अंताक्षरी का इतिहास भारतीय लोक-संस्कृति और काव्य-परंपरा से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह खेल विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों, जैसे मालवी, अवधी, ब्रज, हाड़ौती आदि में प्रचलित रहा है। अंताक्षरी की परंपरा मौखिक कविता-संस्कृति का हिस्सा रही है, जिसमें लोग तुकबंदी और छंदबद्ध गीतों के माध्यम से संवाद करते थे। प्राचीन भारत में मौखिक परंपरा बहुत मजबूत थी, और यह वेदों के समय से चली आ रही थी। लोकगीतों और धार्मिक भजनों के माध्यम से अंताक्षरी की शैली विकसित हुई। कृष्णभक्ति और रामभक्ति काव्यधाराओं में अंताक्षरी के तत्व मिलते हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22°c
न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 12 मार्च 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

कोलकाता की जादवपुर यूनिवर्सिटी में फिर बवाल

● फिलिस्तीन-कश्मीर की आजादी वाला पोस्टर चिपकाया

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता की जादवपुर यूनिवर्सिटी एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार भी वजह हंगामा ही है। नया हंगामा तब हुआ जब विश्वविद्यालय की एक दीवार पर आपत्तिजनक नारे लिख दिए गए। यूनिवर्सिटी की दीवार पर लगे पोस्टर की तस्वीरें सामने आने के बाद बवाल हो गया है। पोस्टर में फ्री फिलिस्तीन और आजाद कश्मीर जैसे नारे लिखे हुए थे। इसे लेकर कोलकाता पुलिस ने वामपंथी छात्र संगठन, प्रोग्रेसिव डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स फेडरेशन के समर्थकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बता दें कि विश्वविद्यालय के गेट 3 के पास एक दीवार पर बने इस तस्वीर दिख रही है जिसमें एक प्रतीकात्मक हाथ, कंटीली बेड़ियों से घिरा हुआ दिख रहा है, जिसके पास कुछ फूल भी हैं। नारे इसी तस्वीर के इर्द गिर्द लिखे गए हैं। इससे पहले बीते 1 मार्च को यहां बड़ा बवाल तब हुआ था जब 100 से ज्यादा छात्रों ने शिक्षा मंत्री ब्रतय बसु को घेर लिया। खबरों के मुताबिक बसु यहां एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे।

केजरीवाल के खिलाफ लिखो एफआईआर

● दिल्ली पुलिस को कोर्ट का आदेश, आ गई नई मुसीबत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ गईं हैं। दिल्ली की एक अदालत ने केजरीवाल के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया है। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाए जाने के आरोप में अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ केस दर्ज करने को कहा गया है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से 18 मार्च तक रिपोर्ट भी मांगी है। केजरीवाल के खिलाफ यह आदेश ऐसे समय पर आया है जब वह पहले ही कई कानूनी मुश्किलों में घिरे हुए हैं और दिल्ली चुनाव में हार के बाद इन दिनों विपश्यना में जुटे हैं। यह मामला साल 2019 का है। अरविंद केजरीवाल, मटियाला के तब के विधायक गुलाब सिंह और द्वारका की पार्षद नीतिका शर्मा के खिलाफ एक पोस्टर को लेकर शिकायत की गई थी। कोर्ट में केजरीवाल और अन्य के खिलाफ शिकायत की थी जिसे राउज एवेन्यू कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने थाने के एसएचओ को 18 मार्च तक रिपोर्ट पेश करके बताने को कहा है।

प्रदेश में 40 डिग्री तक पहुंच सकता है दिन का तापमान

अगले 2 दिन और गर्मी बढ़ेगी, उत्तर-पश्चिम भारत में नए सिस्टम से आएगी पारे में गिरावट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में गर्मी असर दिखाने लगी है। इंदौर और उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा पारा बढ़ा है। धार-रतलाम में दिन का तापमान 38 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं, उज्जैन में 37 डिग्री और भोपाल-इंदौर में 35 डिग्री के पार रहा। मौसम विभाग ने अगले 2 दिन तक पारे में और बढ़ोतरी होने का अनुमान जताया है। नए सिस्टम से पारा फिर से लुढ़क सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 12 मार्च से उत्तर-पश्चिम भारत में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होगा। जिसका असर अगले एक-दो दिन में देखने को मिलेगा। जिससे दिन-रात के तापमान में गिरावट होने की संभावना है।

दिन में 38, रात में 23 डिग्री से ज्यादा तापमान- पिछले 3 दिन से प्रदेश में गर्मी का असर बढ़ा है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को धार-रतलाम में 38 डिग्री, शिवपुरी-मंडला में 37 डिग्री, गुना में 36.5 डिग्री, खरगोन में 36 डिग्री, सागर, सिवनी, नर्मदापुरम-टीकमगढ़ में 35.8 डिग्री, खजुराहो में 35.6 डिग्री, दमोह-बैतूल में 35.5 डिग्री, नरसिंहपुर में 35.2 डिग्री और खंडवा में 35.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो उज्जैन सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 37 डिग्री तक पहुंच गया। इंदौर में 35.6 डिग्री, भोपाल में 35.4 डिग्री, ग्वालियर में 34.5 डिग्री और जबलपुर में 34 डिग्री रहा। रविवार-सोमवार की रात की बात करें तो धार में सबसे ज्यादा 23.2 डिग्री रहा था। वहीं, भोपाल, इंदौर में 21 डिग्री से ज्यादा रहा।

अब बर्फीली हवा का असर नहीं- बर्फीली हवा चलने से प्रदेश में चार दिन तक कड़ाके की ठंड पड़ी। इससे भोपाल समेत कई शहरों में पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया। कई शहरों में शीतलहर चली, जबकि रात का पारा 6 डिग्री तक पहुंच गया। राजगढ़, शाजापुर, उमरिया, मंडला, नौगांव और मलाजखंड जैसे छोटे शहर सबसे ठंडे रहे, लेकिन अब पारे में बढ़ोतरी होने लगी है। बर्फीली हवा का असर अब नहीं है।

● उत्तर प्रदेश से कश्मीर तक मौसम विभाग का है यह अनुमान

अबकी बार बारिश वाली होली, गर्मी से भी मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते करीब एक सप्ताह में तापमान थोड़ा बढ़ा है और गुलाबी सर्दी का दौर खत्म होता दिखा है। आमतौर पर होली के आसपास मौसम में बदलाव होता है और गर्मी थोड़ी बढ़ती ही है। लेकिन इस बार होली पर मौसम थोड़ा अलग रहेगा और कई राज्यों में बारिश वाली होली हो सकती है।

मौसम विभाग की ओर से जारी अनुमान में बताया गया है कि पश्चिमी ईरान से उठे पश्चिमी विक्षोभ का असर दिख सकता है और इसके चलते 12 मार्च की रात से मौसम में परिवर्तन हो सकता है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, गिलगित बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 12 से 14 मार्च के दौरान हल्की बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। इसके अलावा उत्तराखंड में भी हल्की बारिश और बर्फबारी तक हो सकती है। इसके चलते मौसम बदलेगा और होली के मौके पर हल्की सर्दी भी देखने को मिलेगी। अनुमान के अनुसार

पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में भी 13 और 14 मार्च को हल्की बारिश होगी। इसके अलावा कुछ इलाकों में गरज और बिजली भी गिर सकती है। इस तरह जम्मू-कश्मीर से उत्तर प्रदेश तक होली थोड़ा सर्द रहेगी और गर्मी से लोगों को राहत मिलने की संभावना है। वहीं पूर्वोत्तर के अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, सिक्किम और असम जैसे राज्यों में अच्छी खासी बारिश हो सकती है। तापमान को लेकर भी मौसम विभाग ने अनुमान जाहिर किया है। अनुमान के अनुसार 11 और 12 मार्च को तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस का इजाफा होगा, लेकिन उसके बाद करीब 4 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में मौसम में बहुत ज्यादा परिवर्तन की संभावना नहीं है। इसके अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे मध्य भारत के राज्यों में मौसम में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं आएगा। यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों की तुलना में पश्चिम और मध्य भारत में हल्की गर्मी हो सकती है। वहीं तेलंगाना, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में अगले एक सप्ताह के भीतर तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हो सकता है।

हमारा ध्येय सत्य की स्थापना खोज और जीना होना चाहिए

● आरएसएस नेता दत्तात्रेय होसबाले बोले-हमें सत्य लिखना है सत्य बोलना है

कहा-देश को अब इंडिया नहीं, सिर्फ भारत कहो, इसे ठीक करना ही पड़ेगा

नोएडा (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा- अपने देश को इंडिया नहीं, भारत कहना चाहिए। इसे ठीक करना पड़ेगा। देश को दो नामों से क्यों जाना जा रहा है। इसे ठीक करना ही पड़ेगा। भारत है, तो भारत ही कहो। दत्तात्रेय होसबाले नोएडा में सोमवार को विमर्श भारत का पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- क्या भारत एक जमीन का

टुकड़ा है। या संविधान से चलने वाला केवल एक भारत। केवल ऐसा नहीं है, भारत एक जीवन दर्शन है।

● **महाकुंभ विमर्श ने एक महासमर खोला-** महाकुंभ विमर्श ने एक महासमर खोल दिया है। हमारा दायित्व बनता है कि हम पूरे भारत में शांति स्थापित करें। पूरे भारत में तरह-तरह के विमर्श नरेटिव के रूप में चलाए जाते हैं। हमें सत्य लिखना है, सत्य बोलना है। सत्य ही दिखाना है। यह बौद्धिक संघर्ष की बात है। जब बौद्धिक संघर्ष की बात आती है तो हमारा ध्येय सत्य की स्थापना, खोज और जीना होना चाहिए।

पाक में ट्रेन हाईजैक 450 यात्री बंधक

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान में जफर एक्सप्रेस ट्रेन पर मंगलवार को बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, बलूच बंदूकधारियों ने करीब 450 यात्रियों को बंधक बना लिया है। ट्रेन

के ऊपर गोलीबारी भी की गई, जिसमें ड्राइवर समेत कई लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत की यह घटना है। प्रांत की राजधानी क्वेटा में रेलवे के सीनियर अधिकारी मुहम्मद काशिफ ने बताया, बंदूकधारियों ने ट्रेन में सवार 450 यात्रियों को बंधक बना लिया है।

पंजाब की पुलिस से भिड़े किसान, जमकर टकराव

गुरदासपुर (एजेंसी)। दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण को लेकर पंजाब के गुरदासपुर में किसानों और पुलिस के बीच टकराव हो गया। इसमें 7 किसानों के घायल हो गए। पुलिस की मदद से जिला प्रशासन की टीम किसानों से जमीन खाली कराने पहुंची थी। इस दौरान पुलिस ने किसानों की खड़ी फसल पर मशीन चला दी, जिससे उनकी फसल बर्बाद हो गई। अपनी फसलों को बचाने के लिए आए किसानों की पुलिस के साथ धक्कामुक्की हुई। बाद में पुलिस ने लाठीचार्ज कर किसानों को मौके से खदेड़ दिया। हालांकि, बाद में प्रशासन की टीम को लौटना पड़ा। किसानों का आरोप है सरकार से उन्हें जमीनों का उचित मुआवजा नहीं मिला है। इसलिए, वे अपनी जमीनों पर खेती कर रहे हैं। जबकि, जिला प्रशासन के अधिकारी कहते हैं कि किसानों को जमीनों का मुआवजा मिल गया है।

सऊदी अरब में वार्ता से पहले नरम पड़े डोनाल्ड ट्रंप

● यूक्रेन को देने जा रहे बड़ी ढील, रुख में आया बदलाव

जेद्दा (एजेंसी)। यूक्रेन-रूस युद्ध की समाप्ति और अहम खनिज सौदों पर आम सहमति बनाने के लिए सऊदी अरब के शहर जेद्दा में यूक्रेनी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की बैठक हो रही है। पिछले महीने 28 फरवरी को वाइट हाउस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगी उप राष्ट्रपति जेडी वेन्स के बीच हुई तीखी झड़प के बाद यह पहली उच्च स्तरीय बैठक है। उस बैठक में ट्रंप ने जेलेंस्की की मीडिया के सामने खिंचाई की थी, जिसके बाद अपमानित यूक्रेनी राष्ट्रपति बिना लंच किए वाइट हाउस से चले गए थे। इस गतिरोध के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को दी जा रही सैन्य सहायता और युद्ध में दिए जा रहे खुफिया जानकारी साझा करने पर रोक लगा दी थी लेकिन अब जेद्दा में हो रही इस बैठक से ऐन पहले ट्रंप के रुख में बदलाव आया है। द हिल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर की अंतिम अपील के बाद यूक्रेन को सैन्य सहायता और खुफिया सहायता रोकने के अपने फैसले को पलटने को तैयार हो गए हैं।

● **सैन्य सहायता फिर से शुरू कर सकता है अमेरिका-** दूसरी तरफ, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अगर मंगलवार को शांति प्रक्रिया पर अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता आगे बढ़ती है, तो ट्रम्प प्रशासन कीव को खुफिया और सैन्य सहायता फिर से शुरू कर सकता है। रुबियो ने सोमवार रात सऊदी अरब पहुंचने से ठीक पहले विमान में संवाददाताओं से कहा, मुझे उम्मीद है कि कल हमारी बैठक बहुत अच्छी होगी और हम जल्द ही एक अलग जगह पर होंगे। बता दें कि ट्रंप द्वारा सैन्य सहायता रोकने और खुफिया जानकारी कम करने के फैसले ने कीव पर बातचीत करने का दबाव डाला है। इस वक्त यूक्रेनी राष्ट्रपति भी सऊदी अरब में हैं लेकिन वह इस वार्ता में भाग नहीं ले रहे हैं। हालांकि, उन्होंने सऊदी क्राउन प्रिंस से मुलाकात की है। सऊदी अरब यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध रोकने के लिए मध्यस्थता कराना चाहता है। इससे पहले भी सऊदी ने बड़ी भूमिका निभाई है, जिसमें कैदियों की अदला-बदली और पिछले महीने रूस और अमेरिका के बीच वार्ता की मेजबानी करना शामिल है।

जल संरक्षण को बनाएं जन आंदोलन: मंत्री सिलावट

प्रदेश में 30 मार्च से चलेगा 'जल गंगा संवर्धन अभियान'

भोपाल (नप्र)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संकल्प है कि हर घर स्वच्छ पेयजल और खेती के लिए हर खेत तक पानी पहुंचे। इसके लिए प्रदेश में केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजनाओं के बाद ताप्ती मेगा बेसिन परियोजना बनाई जा रही है। इसके साथ ही प्रदेश के विभिन्न सिंचाई योजनाओं के माध्यम से सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। प्रदेश में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए तालाब एवं अन्य जल स्त्रोतों के उन्नयन, विकास, गहरीकरण, जल स्त्रोतों को अतिक्रमण मुक्त करने और उनके आसपास पौधा-रोपण आदि के उद्धेश्य से प्रदेश में 30 मार्च 2025 से 30 जून 2025 तक 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चलाया जाएगा। उन्होंने प्रदेश में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का जनता से आहवान किया।जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने मंगलवार को प्रमुख अभियंता जल संसाधन कार्यालय के सभाकक्ष में अभियान की तैयारियों के संबंध में बैठक ली। बैठक में अपर मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख अभियंता जल संसाधन श्री विनोद कुमार देवड़ा सहित सभी संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि जल संसाधन विभाग में प्रदेश में 32 वृहद, 120 मध्यम एवं 5 हजार 800 लघु जल संरचनाएं हैं। इनमें बनाए गए बांधों की नहर प्रणाली 40 हजार किलोमीटर की है जिनमें 16 हजार किलोमीटर पक्की और 24 हजार किलोमीटर कच्ची नहरें हैं। इन नहरों से सिंचाई के लिए खेतों तक पानी पहुंचाया जाता है। अभियान के अंतर्गत जल संरचनाओं की आवश्यक मरम्मत, सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य किया जाना है।जल संसाधन मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में जल संरक्षण एवं संवर्धन की समृद्धशाली परंपरा रही है। यहां की चंदेल कालीन जल संरक्षण प्रणाली न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध रही है। जल संसाधन संभाग छतरपुर में 44, टीकमगढ़ में 71 और पन्ना में 5 चंदेल/बुंदेलकालीन तालाब हैं। अभियान के अंतर्गत इन सभी का संरक्षण किया जाना है।जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए छोटी-छोटी योजनाएं बनाकर कार्य कराया जाए।

पंजाब एमपी अमृतपाल की सदस्यता पर फैसला जल्द

● संसदीय समिति ने की 54 दिन छुट्टी की सिफारिश, लोकसभा अध्यक्ष लेंगे अंतिम फैसला

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के लिए संसद की विशेष समिति ने 54 दिनों की अनुपस्थिति की छुट्टी को मंजूरी देने की सिफारिश की है। अमृतपाल सिंह अप्रैल 2023 से राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। उसने अपनी नजरबंदी के कारण लोकसभा अध्यक्ष को दो अनुरोध

प्रस्तुत किए थे, जिनमें उन्होंने संसद से अनुपस्थिति की अनुमति मांगी थी। सांसद अमृतपाल सिंह ने कुल मिलाकर, 54 दिनों की छुट्टी के लिए आवेदन किया था।

● हम ठीक से ठोकेंगे... ● राज्यसभा में खरगे के बयान पर भारी बवाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता को मांगनी पड़ी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बजट सत्र के दूसरे चरण की कार्यवाही जारी है। मंगलवार को राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ ऐसा कह दिया, जिस पर बवाल मच गया। खरगे ने डिप्टी स्पीकर हरिवंश की ओर बात करते हुए ऐसे शब्द का इस्तेमाल कर दिया, जिस पर बीजेपी भड़क गई। बीजेपी ने सदन में हंगामा करते हुए माफी की मांग की। इसके बाद खरगे ने डिप्टी स्पीकर से माफी भी मांगी। राज्यसभा में नई शिक्षा नीति पर चर्चा चल रही थी। डिप्टी स्पीकर ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को बोलने के लिए मौका मिला था। तभी मल्लिकार्जुन खरगे बीच में खड़े हो गए। डिप्टी स्पीकर ने खरगे से कहा कि आपको सुबह बोलने का मौका दिया गया है। खरगे बोले

कि सुबह शिक्षा मंत्री नहीं आए थे। तभी स्पीकर ने बैठने को कहा, इससे खरगे भड़क गए। उन्होंने सदन के नेता प्रतिपक्ष ने कमेंट किया कि आपको क्या-क्या ठोकना है, हम ठीक से ठोकेंगे। खरगे के कमेंट के बाद बीजेपी ने हंगामा कर दिया। सदन के नेता जेपी नड्डा खड़े हुए और बयान की निंदा की। नड्डा ने कहा कि नेता विपक्ष तजुर्बेकार हैं, लंबे समय तक संसदीय कार्य के रूप में नेतृत्व किया। सदस्य के रूप में भी काम किया, लेकिन अभी जो भाषा का इस्तेमाल किया है वो निंदनीय है। उन्होंने खरगे से माफी की मांग की। इसके बाद खरगे ने अपनी गलती भी स्वीकार की। उन्होंने कहा, उपसभापति जी, मैं माफी मांगता हूं। मैंने ये शब्द आपके लिए नहीं बोला। मैं सरकार की पॉलिसी को ठोकेंगे ये बोला। अगर मेरी बात से आपको ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं। इससे पहले राज्यसभा में नेता खरगे ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा पर पलटवार किया और कहा कि विपक्षी दलों को प्रशिक्षण की नसीहत देने वाले नेता सदन को ही इसकी जरूरत है क्योंकि उनके ही सदस्य और मंत्री ही समय पर सदन में नहीं आते हैं। दरअसल, राज्यसभा की कार्यवाही आरंभ होने पर उपसभापति हरिवंश आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवा रहे थे।

मप्र में न्यूनतम वेतन को लेकर सीटू का प्रदर्शन

एरियर्स और अक्टूबर 2024 से नए वेतन पुनरीक्षण की मांग को लेकर सौंपे ज्ञापन

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) ने प्रदेशभर में श्रम कार्यालयों में जाकर ज्ञापन सौंपे हैं। संगठन ने बढ़े हुए न्यूनतम वेतन का तत्काल भुगतान और एरियर्स की मांग की है। भोपाल में सीटू के अतिरिक्त महासचिव एटी पद्मनाभन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सहायक श्रमायुक्त को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पूषन भट्टाचार्य, पीएन वर्मा, लोकेन्द्र शेखावत समेत कई नेता मौजूद रहे।

सीटू ने 8 मार्च को श्रमायुक्त को ई-मेल भेजा था। 10 मार्च को राज्य महासचिव प्रमोद प्रधान ने श्रमायुक्त को पत्र सौंपा। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल 2024 से लागू बढ़ी दरों के एरियर्स का भुगतान अभी शुरू नहीं हुआ है। संगठन की मांग है कि श्रम विभाग के सभी कार्यालयों को एरियर्स भुगतान के लिए विशेष निर्देश जारी किए जाएं। साथ ही इसकी प्रति सभी केंद्रीय श्रमिक संगठनों को दी जाए।

महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नया वेतन पुनरीक्षण नवंबर 2019 में देय था। 15 नवंबर 2019 को न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड की बैठक में इसकी अनुशंसा की गई थी। सरकार ने 5 वर्ष की अवधि में पुनरीक्षण किया, लेकिन इसे 1 अप्रैल 2024 से लागू किया है। सीटू की मांग है कि इसे नवंबर 2019 से लागू कर एरियर्स का भुगतान किया जाए।

सीटू ने कहा कि टेक्सटाइल एवं फुटवेयर से संबद्ध अधिसूचित तीन नए नियोजन पर पुनरीक्षित वेतन ही लागू होते हैं। इसलिए हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने 10 फरवरी को दिए निर्णय की समीक्षा के लिए सीटू ने 6 मार्च को समीक्षा याचिका दायर की है। पत्र में मांग की गई है कि अब शासन को भी हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ के समक्ष निर्णय की समीक्षा के लिए याचिका दायर करना चाहिए।

पूर्व विधायक सुरेन्द्रनाथ 'मम्मा' का निधन

सीएम ने किया शोक व्यक्त

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के पूर्व विधायक और वरिष्ठ भाजपा नेता श्री सुरेन्द्रनाथ सिंह के निधन पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा है कि शोक की इस घड़ी में सबकी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. सुरेन्द्रनाथ सिंह ने अपना सम्पूर्ण जीवन कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया, श्री सिंह ने अपने व्यवहार, स्नेह एवं आत्मीयता से सम्मान प्राप्त किया और कार्यकर्ताओं के बीच अलग छवि बनाई। आमजन के बीच वे 'मम्मा' के नाम से लोकप्रिय थे। उनके निधन से संगठन सहित भोपालवासियों को अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

डॉक्टर्स के साथ मारपीट का जूडा ने किया विरोध

व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए प्रशासन को लिखा पत्र

भोपाल (नप्र)। हमीदिया अस्पताल में डॉक्टरों पर मरीज के परिजनों द्वारा किए गए हमले के विरोध में जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने विरोध प्रदर्शन किया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने घटना के संबंध में प्रशासन को लिखित पत्र देते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने की मांग की है।

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने इस घटना को गंभीर बताते हुए प्रशासन से अस्पताल परिसर में सुरक्षा बढ़ाने और हमलावरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

मरीज की मौत पर डॉक्टर पर हुआ था हमला- घटना शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे हमीदिया अस्पताल के आईसीयू-3 में घटी। यहां इलाजरत मरीज डॉली बाई की मौत हो गई, जिसके बाद उनके परिजन और मौजूद भीड़ ने ऑन ड्यूटी डॉक्टरों पर हमला कर दिया।

हमले के दौरान तीन डॉक्टर घायल हुए, जिनमें एक जूनियर डॉक्टर को सिर में चोट आई। कुछ देर बाद हथियारबंद लोग भी अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों से मारपीट की। इस दौरान आईसीयू में 10 से अधिक डॉक्टर मौजूद थे, जिन्होंने हमले के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। मामले में जूडा अध्यक्ष डॉ. कुलदीप गुप्ता ने कहा, घटना दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। हम पहले भी डॉक्टर्स की सुरक्षा को लेकर सीएम, डिप्टी सीएम, पुलिस कमिश्नर और प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र लिख चुके हैं। इससे पहले महिला डॉक्टर की कार में तोड़फोड़ हुई। कई बार यहां परिसर में रात में संदिग्ध लोग घूमते रहते हैं। इसके लिए हमें सुरक्षा दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री से एनएसयूआई ने की सुरक्षा एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने की मांग- एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि डॉक्टर समाज की सेवा में दिन-रात लगे रहते हैं, लेकिन यदि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी, तो प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी। हमीदिया अस्पताल में कार्यरत सुरक्षा एजेंसी की लापरवाही स्पष्ट रूप से सामने आई है। रवि ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री से सुरक्षा एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने मांग की है। रवि परमार ने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर जल्द कार्रवाई नहीं करती।

जूडा की ये हैं मांगें

- अज्ञात लोगों के प्रवेश पर रोक लगे।
- अवैध एम्बुलेंस परिसर से बाहर हो।
- परिसर में सुरक्षा गार्ड्स की संख्या बढ़ाई जाए।
- हाई मास्ट लाइट लगाई जाएं।
- चारों तरफ बाउंड्रीवाल बनाकर उन पर कटीले तार लगाए जाएं।

कर निरीक्षक पर हमला कर्मचारियों में रोष

मुख्य आरोपी अभी भी फरार, निरीक्षकों ने कार्यबंदी का किया ऐलान

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश वाणिज्यिक कर विभाग के सागर संभाग में पदस्थ निरीक्षक प्रसन्न जैन के साथ व्यवसायी एवं उनके मुनीम द्वारा की गई मारपीट एवं जान से मारने की धमकी के मामले में अब तक मुख्य आरोपी विकास आडवाणी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। हाल ही इस मामले में प्रशांत सेन की गिरफ्तारी हुई थी, लेकिन मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों में नाराजगी बनी हुई है। मामले को लेकर मध्य प्रदेश वाणिज्यिक कर निरीक्षक संघ के अध्यक्ष संदीप मीणा ने घोषणा की है कि सोमवार से सभी निरीक्षक कार्यालयों में उपस्थिति तो देंगे, लेकिन किसी प्रकार का विभागीय कार्य नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कदम घटना के विरोध स्वरूप उठाया गया है और जब तक मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक यह विरोध जारी रहेगा। इस संबंध में वाणिज्यिक कर निरीक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से मुलाकात कर अपना पक्ष रखा, लेकिन आज तक मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से अधिकारियों और कर्मचारियों में रोष और निराशा व्याप्त है।

ड्रॉप-आउट दर को कम करने के लिये ब्रिज कोर्स

अप्रैल माह में होगा बेस लाइन टेस्ट

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर और दक्षता को सुधारने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ब्रिज कोर्स का संचालन कर रहा है। इसके लिये हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय के 9 हजार 312 रिसोर्सपर्सन तैयार किये गये हैं। इनका प्रशिक्षण भोपाल के वाल्मी संस्थान में फरवरी माह में कराया जा चुका है। प्रदेश में 4 हजार 200 हाई स्कूल और 4 हजार 100 हायर सेकेण्डरी सरकारी स्कूल हैं। अब इन स्कूलों में हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित के एक-एक शिक्षक को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था मार्च माह से शुरू कर दी गई है। प्रदेश में लगभग 27 हजार शिक्षकों को ब्रिज कोर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ब्रिज कोर्स के माध्यम से सरकारी स्कूलों को ड्रॉप-आउट दर को कम करने में मदद मिलेगी।

ब्रिज कोर्स

प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षक अप्रैल माह में और 16 जून से 20 जुलाई तक ब्रिज कोर्स का संचालन करेंगे। ब्रिज कोर्स का संचालन सभी सरकारी हाई और हायर सेकण्डरी स्कूलों में होगा। इसके साथ ही इन 3 विषयों के अलावा विज्ञान एवं संस्कृत विषय की पढ़ाई भी इन बच्चों को कराई जायेगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने स्कूल में लगने वाली ब्रिज कोर्स की समय-सारणी भी तैयार की है।

बेसलाइन टेस्ट- ब्रिज कोर्स के दौरान ही 5 और 12 अप्रैल को इन विद्यार्थियों का बेस लाइन टेस्ट अंग्रेजी, गणित और हिन्दी में लिया जायेगा। बेस लाइन टेस्ट पेपर 31 मार्च को स्कूल शिक्षा विभाग के 'विमर्श' पोर्टल पर अपलोड कर दिये जायेंगे। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं। तय तिथियों में जो विद्यार्थी किन्ही वजह से टेस्ट नहीं दे पायेंगे, उनके लिये अलग व्यवस्था की गई है। बेस लाइन टेस्ट की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन संबंधित शिक्षकों द्वारा उसी दिन किये जाने की व्यवस्था की गई है। बेस लाइन टेस्ट में कम दक्षता वाले विद्यार्थियों के लिये अंग्रेजी, हिन्दी और गणित विषय के ब्रिज कोर्स की व्यवस्था की गई है।·

डलाइन टेस्ट- सरकारी हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में ब्रिज कोर्स की समाप्ति पर 20 जुलाई के बाद विद्यार्थियों की गुणवत्ता जांचने के लिये एंडलाइन टेस्ट की भी व्यवस्था की जा रही है।

भोपाल में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नेशनल फोरेंसिक लैब के बाहर विस्फोटक सामग्री की सूचना, बम स्क्वॉड ने की तलाशी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के दो स्कूलों और एक राष्ट्रीय लैब को 10 मार्च को धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। बड़वई स्थित पोदार वर्ल्ड स्कूल और टीटी नगर स्थित सेंट मेरी स्कूल को धमकी दी गई कि उन्हें बम से उड़ा दिया जाएगा। वहीं, खजूरी क्षेत्र में स्थित नेशनल फोरेंसिक लैब के बाहर विस्फोटक सामग्री पड़े होने की सूचना मिली। इन घटनाओं के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जांच शुरू की, लेकिन किसी भी स्थान पर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। बता दें एक माह पूर्व भी भोपाल और इंदौर के स्कूलों को तेलुगू भाषा में धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ था।

पोदार वर्ल्ड स्कूल को धमकी- गांधी नगर थाना प्रभारी सुरेश फरकले ने बताया कि सोमवार को पोदार वर्ल्ड स्कूल की आधिकारिक वेबसाइट पर एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दोपहर 2:45 बजे स्कूल को बम से उड़ाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस, बम डिफ्यूजन टीम और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंची और पूरे परिसर की गहन जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वर्तमान में ईमेल की सत्यता की जांच जारी है।

सेंट मेरी स्कूल को भी किया मेल

टीटी नगर स्थित सेंट मेरी स्कूल को भी इसी प्रकार का धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रश्मि अग्रवाल दुबे ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और बम स्क्वॉड टीम स्कूल पहुंची और पूरी जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आगे की जांच प्रारंभ कर दी है।

फीस नहीं भरने पर बच्चे को पेपर देने से रोका

भोपाल (नप्र)। राजधानी के प्रेसिडेंसी स्कूल में एक छात्र को फीस बाकी होने के कारण परीक्षा देने से रोकने का मामला सामने आया है। छात्र के पिता अजीम उद्दीन ने जिला शिक्षा अधिकारी को शिकायत पत्र सौंपकर स्कूल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, अरसलान उद्दीन, जो कि प्रेसिडेंसी स्कूल, डीआईजी बंगला, भोपाल में सातवीं कक्षा का छात्र है, उसे 1500 की बकाया फीस के कारण परीक्षा देने से रोक दिया गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि उन्होंने पहले ही स्कूल को इस स्थिति की जानकारी दे दी थी, फिर भी उनके बेटे को परीक्षा से वंचित कर दिया गया। इस मामले की शिकायत बच्चे के पिता ने जिला शिक्षा अधिकारी से की है। छात्र के पिता अजीम उद्दीन का आरोप है कि उन्होंने पहले ही 6000 फीस जमा कर दी थी और शेष राशि को लेकर स्कूल प्रशासन को सूचित भी कर दिया था।

भोपाल में बढ़ेगा जलकर मीटिंग में प्रस्ताव आएगा

25-26 मार्च को हो सकती है 'शहर सरकार' की बैठक; होली बाद एमआईसी होगी

भोपाल। भोपाल नगर निगम की बजट मीटिंग 25 या 26 मार्च को हो सकती है। इसमें जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। संभावना है कि 'शहर सरकार' जलकर को 10 प्रतिशत तक बढ़ा सकती है। ऐसा होता है जनता को हर महीने 20 रुपए ज्यादा चुकाने पड़ेंगे। बजट मीटिंग से पहले एमआईसी (मेयर इन कौंसिल) में यह प्रस्ताव लाया जा सकता है।

एमआईसी होली के बाद होगी। जिसमें जल कर, संपत्ति कर जैसे कई विषयों पर चर्चा होगी। यदि सभी एमआईसी सदस्य टैक्स बढ़ाने पर सहमत होते हैं तो परिषद में प्रस्ताव लाया जाएगा। जानकारी के अनुसार, इस बार बजट 2600 करोड़ से ज्यादा का हो सकता है।

- **3 साल पहले बढ़ा था टैक्स-** बता दें कि करीब 3 साल पहले जल कर पर 15 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। शहर में पौने 3 लाख से ज्यादा नल कनेक्शन हैं। इनमें 2 लाख कनेक्शन 2400 स्क्वेयर फीट या इससे कम एरिये वाले मकानों में लगे हैं। करीब 25 हजार कनेक्शन 2400 स्क्वेयर फीट एरिये वाले मकानों में लगे हैं। बाकी गरीब वर्ग के घरों में कनेक्शन है। जिन लोगों के मकान 2400 स्क्वेयर फीट तक एरिये में बने हैं, उन्हें 210 रुपए देने पड़ रहे हैं। प्रतिमाह 30 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। जिनके मकान 2400 स्क्वेयर फीट से अधिक एरिये में बने हैं, वे 300 रुपए प्रतिमाह चुका रहे हैं।

- **मौजूदा कार्यकाल में पहली बार बढ़ेगा-** यदि जल कर में बढ़ोतरी होगी है तो यह मौजूदा कार्यकाल में पहली बार होगा। हालांकि, पिछली बैठकों में जल कर बढ़ाने की चर्चा थी, लेकिन बाद में फैसला टाल दिया गया था।
- **व्यक्तिगत नल कनेक्शन को लेकर फैसला नहीं-** इधर, राजधानी में अब तक इंडिविजुअल (व्यक्तिगत) कनेक्शन देने पर फैसला नहीं हो सका है। इस कारण हजारों लोग परेशान हैं। दो साल पहले इस मुद्दे पर सियासत गरमा गई थी। इसके बाद 'शहर सरकार' ने बल्क की जगह व्यक्तिगत कनेक्शन देने का फैसला लिया था। इसके लिए एक कमेटी भी बनाई गई थी। बावजूद अब तक लोगों को बल्क की जगह व्यक्तिगत कनेक्शन नहीं मिल रहे हैं। बता दें कि बल्क कनेक्शन का मुद्दा कई बार सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी उठ चुका है। खासकर होशंगाबाद रोड, कोलार रोड की कॉलोनियों में बल्क कनेक्शन की बाध्यता होने से लोग कनेक्शन नहीं ले पा रहे हैं। लोग मांग उठा रहे हैं कि उन्हें सिंगल यानी व्यक्तिगत कनेक्शन दिए जाए। इससे बेवजह का बोझ नहीं पड़ेगा।
- **3 महीने के बाद होगी मीटिंग-** पिछली बैठक 13 दिसंबर को हुई थी। यह मीटिंग करीब तीन महीने में हुई थी, जबकि नियम 2 महीने के अंदर का है। इस बार भी एक महीना ज्यादा बीत चुका है। ऐसे में विपक्ष यानी, कांग्रेस पार्षदों ने विरोध जताया है। हालांकि, 24-25 फरवरी को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट थी। मीटिंग में देरी होने की वजह इसे ही बताया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने छत्रपति संभाजी महाराज की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धर्मनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति के प्रेरणास्रोत वीर शिरोमणि छत्रपति संभाजी महाराज की पुण्यतिथि पर नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि अद्वितीय वीरता और मातृभूमि की रक्षा के लिए वीर शिरोमणि छत्रपति संभाजी का बलिदान सदैव राष्ट्र और धर्म की सेवा के लिए प्रेरणा प्रदान करता रहेगा।

पान मसाला कंपनी पर आयकर की दबिश

- कायपान पान प्रोडक्स लिमिटेड में हो रहा सर्वे, पहले भी हो चुकी है जांच

भोपाल (नप्र)। भोपाल में आयकर विभाग ने पान मसाला कंपनी पर इनकम टैक्स चोरी के मामले में सर्वे शुरू किया है। गोविंदपुरा इलाके में यह फैक्ट्री है। जिसमें राजश्री गुटखा और अन्य पान मसाले तैयार करने का काम किया जाता है। बिलों में गड़बड़ी कर कंपनी आय छिपा रही थी। जिसके लिए आयकर विभाग की टीम सर्वे करने पहुंची है। इंडस्ट्रियल एरिया गोविंदपुरा में सेक्टर-डी में 11बी में कायपान पान प्रोडक्ट लिमिटेड की फैक्ट्री और प्रतिष्ठान है। यह प्रतिष्ठान वैभव पांडे, शेख मोहम्मद आरिफ का है। मंगलवार दोपहर बाद आयकर विभाग की टीम ने इस प्रतिष्ठान पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू की है। इस प्रतिष्ठान के संचालकों द्वारा पान मसाला बनाने का काम किया जाता है और इसमें बिलों में गड़बड़ी कर आय छिपाने का काम किया जा रहा था। आयकर अफसरों की टीम इस फैक्ट्री के दफ्तर में दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है।

5 साल पहले भी की थी जांच

इस फैक्ट्री पर खाद्य और सुरक्षा प्रशासन के अफसरों को टीम ने 5 साल पहले भी मिलावटी राजश्री गुटखा और अन्य गुटखा व पान मसाला बनाने के मामले में जांच की थी और संचालकों को नोटिस जारी किया था।

सौरभ अग्रवाल के यहां चल रही है कार्यवाही- दूसरी ओर, राजधानी के चूना भट्टी इलाके में अल्फा कम्युनिकेशंस और परफेक्ट सॉल्यूशंस के यहां सोमवार से शुरू हुई सर्वे की कार्यवाही मंगलवार को भी जारी है। आयकर अफसरों की टीम आईएएस अफसरों और नेताओं के ताल्लुक वाले इस कारोबारी के यहां जांच कर रही है। इस सर्वे में करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी उजागर होने की संभावना जताई जा रही है। बताया जाता है कि नेताओं, अफसरों के पैसे कारोबार में लगाने और उसे एक नंबर का साबित करने का काम इसके द्वारा किया जाता है। सौरभ अग्रवाल पूर्व मुख्य सचिव का भी करीबी बताया जा रहा है।

संपादकीय

संयम और अनुशासन जरूरी

मप्र की राजधानी भोपाल में सोमवार को विपक्षी कांग्रेस के मोर्चा संगठन किसान कांग्रेस की सभा के दौरान मंच टूटने और जिसमें करीब 1 दर्जन कांग्रेस नेताओं के घायल होने की अप्रिय घटना को मीडिया में ज्यादा सुर्खियां मिली बनिस्बत विधानसभा में पार्टी द्वारा सदन का सत्र ज्यादा चलाने और जनता के मुद्दे को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शन के। ऐसा कैसे हुआ, यह अभी बहुत साफ नहीं है, लेकिन प्रथम दृष्टया यही लगता है कि मंच पर क्षमता से कई गुना ज्यादा कार्यकर्ताओं के चढ़ जाने से मंच ढह गया। हालांकि इस घटना के लिए कुछ नेताओं ने भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। लेकिन वह केवल राजनीतिक आरोप भर है। असल मामला पार्टी कार्यकर्ताओं का अनुशासित और संयमित न होने का है। इस सवाल का कोई तार्किक जवाब नहीं है कि आखिर इतनी बड़ी तादाद में कांग्रेस कार्यकर्ता मंच पर चढ़े ही क्यों? क्यों वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें नहीं रोका। अब तक जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी किसानों की समस्याएं उठाने की गरज से मंच पर हल और बैलगाड़ी की पूजा करने वाले थे, जो हमारे देश में किसान और किसानी का प्रतीक है। इसके जरिए कांग्रेस यह संदेश देना चाहती थी कि उसे राज्य के किसानों की बड़ी चिंता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जैसे ही जीतू पटवारी मंच पर पहुंचे, उनके साथ पचासों समर्थक भी मंच पर जा चढ़े, जो कथित रूप से अपने नेता के साथ फोटो खिंचवाना चाहते थे। इतनी भीड़ मंच सह नहीं सका और वहीं धंस गया, जिसमें पार्टी के प्रदेश महांमत्री राजीव सिंह तथा किसान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान सहित करीब एक दर्जन नेता घायल हो गए। कार्यक्रम स्थल पर अफरातफरी मच गई। हालांकि इस घटना के बाद प्रदर्शनकारी और उग्र हो गए। ऐसे में पुलिस को उन्हें वाटर केनन चलाकर नियंत्रित करना पड़ा। कुल मिलाकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन एक रेस्क्यू अभियान में बदल गया। वैसे कांग्रेस में कार्यकर्ताओं को असंयमित होना कोई नई बात नहीं है। पिछले विधानसभा चुनाव के पहले भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित पार्टी के वचन पत्र के लोकार्पण के समय भी यही नजारा था। मंच पर अतिथियों के अलावा आधा सैंकड़ा कार्यकर्ता सिर्फ इसलिए चढ़े हुए थे, क्योंकि वो अपने नेता के साथ मंच पर फोटो खिंचवाना चाहते थे। गनीमत रही कि कोई हादसा न हुआ। तीन दशक पहले भोपाल के लिली टॉकीज पर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान ऐसा ही मंच टूट गया था, जिसमें मंच पर भाषण दे रहे वरिष्ठ अर्जुनसिंह भी गिर पड़े थे। तब भी कहानी वही थी कि मंच की क्षमता से ज्यादा कार्यकर्ता जा चढ़े थे। उधर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. गोविंदसिंह ने आरोप लगाया कि मंच टूटना भाजपा का षड्यंत्र है। वो चाहती ही नहीं थी कि कांग्रेस का प्रदर्शन हो। बड़ी मुश्किल से मंच लगाने की परमिशन दी, लेकिन मंच के लिए मजबूत पाए लगाने नहीं दिए। और हमारे यहां ये परंपरा है कि मंच पर पदाधिकारी भी मौजूद रहते हैं। लेकिन गोविंद सिंह यह नहीं बता पाए कि पदाधिकारियों के अलावा भी इतनी बड़ी तादाद में कार्यकर्ता मंच पर क्यों चढ़ गए थे? दूसरा, ये कार्यकर्ता जिन नेताओं के साथ तस्वीरे खिंचवाना चाहते थे, वो कोई दुर्लभ नेता नहीं है। नेता के साथ फोटो खिंचवाने के लिए मंच पर चढ़ना जरूरी नहीं है। यह बात नेताओं को भी अपने कार्यकर्ताओं को समझानी चाहिए। यह व्यवस्था बनाए रखने और कार्यक्रम की पवित्रता कायम रखने का प्रश्न है न कि राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप का। हालांकि कांग्रेस इस हादसे से कोई सबक लेगी, ऐसा नहीं लगता। क्योंकि वहां अनुशासन और संयम जैसी कोई चीज नहीं है।

नजरिया

अवधेश कुमार

लेखक दिल्ली निवासी पत्रकार हैं।

यूक्रेन, यूरोप, ट्रंप और विश्व राजनीति की दिशा

इस शिखर सम्मेलन में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, स्पेन, कनाडा, फिनलैंड, स्वीडन, चेक गणराज और रोमानिया के नेता के अलावा तुर्किये के विदेश मंत्री, नाटो महासचिव तथा यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष ने भाग लिया। विश्व की दृष्टि से यह यूरोप का संपूर्ण सशक्त शिखर सम्मेलन था। विश्व ने देखा कि किस तरह यूरोपीय नेताओं ने वोलिदिमीर जेलेंस्की की आवभगत की तथा उन्हें महत्व दिया।

यूक्रेन मोर्चे पर अंतिम समाचार यह है कि ब्रिटेन फ्रांस और यूक्रेन ने मिलकर एक युद्धविराम योजना बनाई है जिसे अमेरिका के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टोर्मर की बात मानें तो इस पर लगभग सहमति बन गई है। युद्ध समाप्त करने पर चर्चा के लिए यूरोपीय नेताओं के साथ 2 मार्च को शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस शिखर सम्मेलन में फ्रांस, जर्मनी, डेनमार्क, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, पोलैंड, स्पेन, कनाडा, फिनलैंड, स्वीडन, चेक गणराज और रोमानिया के नेता के अलावा तुर्किये के विदेश मंत्री, नाटो महासचिव तथा यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष ने भाग लिया। विश्व की दृष्टि से यह यूरोप का संपूर्ण सशक्त शिखर सम्मेलन था। विश्व ने देखा कि किस तरह यूरोपीय नेताओं ने वोलिदिमीर जेलेंस्की की आवभगत की तथा उन्हें महत्व दिया। ओवल ऑफिस यानी अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय से निकलने के बाद जेलेंस्की सीधे ब्रिटेन आए और प्रधानमंत्री स्टोर्मर ने उन्हें गले लगाया और कहा कि उन्हें उनके देश का अटूट समर्थन प्राप्त है तो इसके पीछे तत्काल ट्रंप एवं दुनिया को एक संदेश देने की रणनीति है। वास्तव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस ढंग से यूक्रेन पर अपने तेवर दिखाए और पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रो के साथ उनकी बहस हुई तथा यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से बाहर किया गया वह दुनिया में सबसे बड़ी हलचल मचाने वाली घटना बन गई। अमेरिकी इतिहास की यह पहली घटना थी जब व्हाइट हाउस में दो नेताओं के बीच इस तरह बहस हुई, दोनों उंगली उठाते दिखे तथा किसी विदेशी मेहमान को वहां से बाहर निकालना पड़ा। प्रश्न है की अभी आगे होगा क्या?

ऐसा दिख रहा है कि यूरोप के ज्यादातर नेता इस समय जेलेंस्की के साथ है।। हालांकि वर्तमान यूरोपीय नेता अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में उथल-पुथल के परिणाम से आशंकित हैं और वे संतुलित आचरण की कोशिश कर रहे हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने सधे हुए वक्तव्य में कहा कि अब हम इस बात पर सहमत हो गए हैं कि ब्रिटेन, फ्रांस और संभवत: एक या दो अन्य देशों के साथ मिलकर यूक्रेन के साथ लड़ाई रोकने की योजना पर काम किया जाएगा और फिर उस पर अमेरिका के साथ चर्चा करेंगे। स्टार्मर ने कहा कि उन्हें व्लादिमीर पुतिन पर विश्वास नहीं है लेकिन डोनाल्ड ट्रंप पर विश्वास है और वह जब कहते हैं कि उन्हें शांति चाहिए तो हम मांग कर चलते हैं कि वह यही चाहते हैं। इसमें दो मत नहीं कि कोई समझौता स्थाई शांति की गारंटी होनी चाहिए। इसलिए स्टार्मर अगर कह रहे हैं कि हम अस्थाई युद्ध विराम का जोखिम नहीं ले सकते तो सामान्य तौर पर इसे असहमत होना कठिन है। उनका यह कहना कि युद्ध समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प हैं आकर्षित तो करता है किंतु स्वयं इस समय की अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में देश की भूमिका ही

इसके मार्ग की बड़ी बाधा है। एक बड़े समूह को डोनाल्ड ट्रंप का व्यवहार अटपटा और एकपक्षीय लग सकता है। धीरे-धीरे विश्व में ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है जो मानते हैं कि उनका व्यवहार गलत नहीं है। एक समय यूक्रेन के प्रति विश्व की सहानुभूति थी और यह सच है कि अमेरिका और यूरोप की मदद के कारण पुतिन की युद्ध योजना पर तुषारापात हुआ। यूक्रेन जैसे छोटे देश को घुटनों पर लाना उनके लिए कठिन हो गया। किंतु पूरे काला सागर सहित क्रीमिया के क्षेत्र को देखें तो वहां लंबे समय से यूरोप की भूमिका के कारण ही स्थिति इतनी जटिल है कि उनका स्थाई निपटारा संभव नहीं। सोवियत संघ जिन राज्यों को मिलकर बना उनमें ज्यादातर आज स्वतंत्र हैं , पर उनकी भौगोलिक सीमाएं खासकर समुद्र में और आसपास इतनी स्पष्ट नहीं है।

न भूलिए कि प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय युद्ध विश्व युद्ध के पीछे उसे क्षेत्र की भौगोलिक जटिलताएं और राजनीतिक व्यवहार की बड़ी भूमिका थी। द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के बावजूद अमेरिका के समक्ष सोवियत संघ के दूसरी महाशक्ति के रूप में खड़ा होने के कारण थोड़ा संतुलन रहा तथा यूरोप के प्रमुख देशों ने आपस में भौगोलिक जटिलताएं खत्म कीं, राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर लगाम लगाई। बावजूद न संपूर्ण यूरोप के लिए और न विश्व के लिए अस्थाई सुरक्षा और शांति सुनिश्चित हुई। सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिकी नेतृत्व वाले नाटो और उसकी सेना कायम रही। अगर अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाने की ओर कदम आगे नहीं बढ़ते तथा उसे शास्त्रास्त्र नहीं देते तो पुतिन के लिए इस तरह आक्रमण करने का आधार नहीं बनता। इन देशों ने पोलैंड के साथ भी यही किया। शेष विषयों को छोड़ दें तो यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेस्की यह घोषणा कर देते कि वह नाटो का सदस्य नहीं बनेंगे तो भी शायद स्थिति इतनी बिगड़ती नहीं।

सच यह है कि यूक्रेन रूस युद्ध विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि तैयार कर चुका है। नहीं रुका तो दुनिया कई प्रकार के संघर्षों में उलझ जाएगी। कई बार आपको शांति के लिए दबाव और अन्य बाध्यकारी दबावकारी कड़े भी कदम उठाने पड़ते हैं। ऐसा लग रहा है कि रूस यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए ढी ट्रंप ने इस स्तर कड़ा रुख अपनाया है। अगर ट्रंप तेवर करार नहीं किया होता तथा अपने चरित्र के अनुसार छोड़ना से खरी-खरी नहीं बोलते नहीं होते तो न यूरोपीय देश बैठते और न नए सिरे से विचार होता। जेलेंस्की को भी अमेरिका के महत्व का पता है और उन्होंने कहा है कि वह खनिज पर समझौते के लिए फिर से व्हाइट हाउस जाने को तैयार हैं। लेकिन उन्हें सुरक्षा की गारंटी चाहिए। जेलेंस्की विश्व इतिहास को ठीक से देखें। कोई देश किसी की सुरक्षा की स्थाई गारंटी नहीं दे सकता। इस समय उन्हें गारंटी दी जा सकती है। बस, वे स्वयं को भी बड़ी सैन्य शक्ति बनने या ऐसी अन्य महत्वाकांक्षाओं से अलग रखें। यूरोपीय देशों को भी समझना होगा कि पहले की तरह यूक्रेन की सैन्य और कूटनीतिक मदद जारी रखकर वे कुछ समय तक आर्थिक लाभ पा सकते हैं, रुस और उसे भी दबाव में रह सकता है लेकिन यह विश्व को बड़े संकट में फंसाने वाला भी साबित होगा। ट्रंप के रुख और रणनीति से ऐसा लगता नहीं कि वे आसानी से शांत होंगे। वैसे वर्तमान विश्व में अमेरिका का राष्ट्रपति युद्ध रोकने की बात करते हुए इसी तरह का कड़ा तेवर बनाए रखेगा तभी इसका कोई समाधान निकलेगा। इस दृष्टि से देखें तो ट्रंप का रवैया कम से कम तत्काल विश्व युद्ध रोकने वाला भी दिखेगा।

वर्तमान विश्व में कोई एक देश आदर्शवादी या राष्ट्रीय स्वार्थ से परे होकर व्यवहार करने की स्थिति में है ही नहीं। तो हम अमेरिका से ही इसकी अपेक्षा क्यों रखें? ऐसा नहीं है कि यूरोप को यह बात समझ में नहीं आ रही हों। स्वयं जेलेंस्की नए सिरे से अपनी नीति पर पुनर्विचार नहीं कर रहे हो यह भी नहीं माना जा सकता। कस्टमर का यह वक्तव्य कि हमारे पास यूक्रेन में न्यायपूर्ण और स्थाई शांति सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आने का अवसर है जो उनकी संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित करगा ट्रंप के रवैया के कारण ही आया है। स्थिति ऐसी है जिसमें कोई अचानक स्वयं को दोषी मानकर पीछे हटने के लिए तैयार नहीं होग। यूरोपीय देशों में तत्काल सबसे ज्यादा सक्रिय ब्रिटेन और फ्रांस को भी अपनी शक्ति की सीमाओं का आभास होगा। अमेरिका के साथ यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था इतनी आबद्ध है कि वह इससे बिल्कुल अलग हटकर एकाएक नई सशक्त सुरक्षा प्रणाली उत्पन्न नहीं कर सकते। ब्रिटेन का तो नाभिकीय ढांचों तक अमेरिका के साथ अविच्छिन्न जुड़ाव है। उनको पूरी तरह अलग कर अमेरिका के विरुद्ध जाना इस समय असंभव लगता है। इसलिए उनके अंदर भी नए सिरे से मंथन चल रहा है। यद्यपि मैक्रो ने ट्रंप की बातों को अपनी दृष्टि से काटा तथा कहा कि वे यूक्रेन को शस्त्र देकर कीमत नहीं ले रहे हैं जैसा वह कह रहे हैं किंतु वह भी एकपक्षीय बात ही थी। ट्रंप के नीति का एक पहलू शायद यही है कि एक बार सभी के समक्ष इतना कर आक्रामक व्यवहार करो तथा ऐसे तेवर दिखाओ जिसकी उन्हें कल्पना नहीं हो ताकि सभी दबाव में आकर युद्ध रोकने के लिए तैयार हो। ट्रंप अड़े रहते हैं तो भविष्य में एक सहमतिकारक समझौता संभव है। कम से कम तत्काल विश्व के हित में होगा और आगे इस पर शांति की कोशिश हो सकती है।

दृष्टिकोण

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

कांग्रेस को छोड़कर कहाँ चली गयी कांग्रेस?

अभी हाल ही में श्री राहुल गांधी का सार्वजनिक एकालाप सुनकर लगा कि अब कांग्रेस ही कांग्रेस की नहीं रही। बहुत-सी कांग्रेस ही कांग्रेस को छोड़कर कहीं चली गयी है। कांग्रेस में कांग्रेस ही नहीं बच रही। ख़ुद से हारी हुई कांग्रेस देश को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक न्याय कैसे दिलायेगी? वह अपनी राजनीतिक चदरिया में गठबंधन के थिगड़े लगाकर भले अपना काम चलाने की सोचे पर देश चलाने के लिये तो उसे ख़ुद चलना पड़ेगा। वोटों के खुदरा व्यापार में फँसे लोकतंत्र को बचाने का उपाय करना पड़ेगा।

कॉंग्रेस आम चुनाव में अक्सर पीछे रह जाती है। अब तो वह पीछे रह जाने के डर से उपचुनाव में भी हिस्सा लेने से कतराने लगी है। पीछे रह जाने के बाद वह अपनी समीक्षा कम करती है, दूसरों पर दोष ज़्यादा लगाती है। उसके नेता कहते ज़रूर हैं कि हम ज़मीनी स्तर पर अपने दल की की समीक्षा करेंगे। पर वे अपनी कथनी को करनी में नहीं बदल पाते। कॉंग्रेस को देखकर कहने का मन होता है कि वह ख्वाब है किसी और का, उसे देखता कोई और है। अब यह तो देखने वाले की मनोदशा पर निर्भर है कि वह क्या देखता है?... इतने बड़े देश में कुछ नेताओं का सुरक्षित चुनाव क्षेत्रों से चुनाव जीत लेना काफ़ी नहीं है।

देश की स्वतंत्रता के लिए गांधी जी के बताये रास्ते पर चलने वाली कांग्रेस के कामों का जायजा लेते हुए जवाहरलाल नेहरू ने आधुनिक हिन्दुस्तान की समस्याओं पर गंभीर विचार करके कुछ बहुत ज़रूरी बातें की थीं जो आज भी कांग्रेस के अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं... 1929 में भारतीय कांग्रेस कमेटी ने यह प्रस्वाव पारित किया कि... भारतीय जनता की भयंकर गरीबी और दरिद्रता का कारण सिर्फ़ विदेशियों द्वारा उसका शोषण नहीं, बल्कि हमारे समाज का आर्थिक संगठन भी है जिसे विदेशी हुकूमत कायम रखे हुए है ताकि यह शोषण जारी रहे। भारतीय जनता की गरीबी और दरिद्रता

को दूर करने के लिए यह आवश्यक है कि समाज के आर्थिक और सामाजिक संगठन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाकर यह घोर विषमता हटाई जाये। केवल राजनीतिक परिवर्तन काफ़ी नहीं है।

नेहरू कांग्रेस को याद दिलाते हैं कि.. अंग्रेजों के जाने के बाद केवल पूंजीपतियों के हाथों में मुल्क का शासन-सूत्र नहीं जाना चाहिए, जैसा कि अभी एक ब्रिटिश कंपनी के हाथों में है। स्पष्टत: यह कांग्रेस की नीति नहीं हो सकती। क्योंकि हमने ही यह ऐलान किया है कि हम जनता के शोषण के ख़िलाफ़ हैं। जनता को और उसके जरिए कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाना अपने इस उद्देश्य के लिए जरूरी है। सिर्फ़ जनता ही उस लड़ाई को सच्ची ताक़त दे सकती है। सिर्फ़ उसी के सहारे राजनीतिक लड़ाई भी लड़ी जा सकती है। पण्डित नेहरू आगाह करते हैं कि कोई बात ज़्यादा दिन तक याद नहीं रहा करती। बहुत-से लोग भारत और कांग्रेस का यह आधुनिक इतिहास भूल जाते हैं।

जवाहरलाल नेहरू ने देश में जो सार्वजनिक क्षेत्रों का निर्माण करके आय के साधनों को बढ़ाया था। वे आज संकट में हैं। कई साल बीत गये, इस संकट पर कांग्रेस में कोई गंभीर विचार-विमर्श देखने-सुनने में नहीं आया। देश के रईसों को कोसते रहने से तो कोई काम नहीं चलेगा। निजीकरण के द्वार तो कांग्रेस ने ही देश में खोले हैं जिनके परिणाम सुखद नहीं है। लूट का ही बोलबाला है। बाज़ार पूरे भारतीय समाज को अपनी जद में घेरता चला आ रहा है। वह अब दबे-छिपे ही नहीं, खुलेआम राजनीति को नियंत्रित कर रहा है। अपने स्वार्थ के लिए शिक्षा, रोज़गार और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में मनमानी कर रहा है। कांग्रेस के नेता इन विषयों पर गहन वैचारिक विमर्श करते नज़र नहीं आते।

एक निर्दलीय नागरिक के नाते कांग्रेस की हालत देखते हुए आज यह कहने का मन है कि कांग्रेस ख़ुद अपना इतिहास भूलती चली गयी है। वह गांधी जी के स्वराज्य के विचार को ही नहीं, उस हिन्दुस्तान की कहानी को भी भूल गयी है जिसे जेल काटते हुए जवाहरलाल नेहरू ने ही रचा था। कांग्रेस विश्व इतिहास की उस झलक से भी दूर खड़ी दीखती है जिसका रूप पण्डित नेहरू ने अपनी बेटी को जेल से लिखी चिट्ठियों में दिखाया था। लगता है कि कांग्रेस अब अपना ही इतिहास नहीं पढ़ती जो कई खण्डों में प्रकाशित है। शायद उसके कार्यकर्ता भी इस इतिहास से अनजान हैं।

आज मंदिर-मस्ज़िद और जात-पांत की संकरी गलियों की ख़ाक छानती स्मृतिहीन कांग्रेस प्रतिदिन अपनी वैचारिक ताक़त खो रही है। जो लोग कांग्रेस में रहकर और कांग्रेस से ही अपना दामन बचाकर नयी सत्ता खोज रहे हैं, दरअसल वे कभी कांग्रेस में नहीं थे। वे सिर्फ़ उस सत्ता में भागीदार रहकर अपना स्वार्थ साध रहे थे जो दीर्घकाल तक कांग्रेस के हाथों में थी। आज कांग्रेस से दूर छिटकने वाले लोग जिस दलबदल का मजा लूट रहे हैं उस दलबदल संस्कार विधि की रचना वर्षों पहले कांग्रेस ने ही की थी।

यह टिप्पणी लिखने का कारण सिर्फ़ यही है कि कांग्रेस को लोकतंत्र में एक विचारपूर्ण राजनीतिक विकल्प के रूप में रहना चाहिए। पर उसके जिन नेताओं को जनता ने चुनकर संसद में प्रतिपक्ष की भूमिका सौंपी है, वे नेता तो संसद में प्रश्नकाल के बीच शोर मचा रहे हैं। वे लोकसभा की नियममावलि के अनुरूप जनहित के प्रश्नों को क्यों नहीं उठा पा रहे? संसद राजनीतिक दलों की ज़िद पूरी करने के लिए नहीं, हम भारत के लोगों की तरफ़ से प्रश्न उठाने और उनका समाधान खोजने के लिए गठित की जाती है।

संसद में जो जनप्रतिनिधि सत्तारूढ़ हैं और जो प्रतिपक्ष में हैं उन्हें जनता के प्रति अपनी विश्वसनीयता ही प्रमाणित करना चाहिए जिसमें दिनों-दिन कमी आती जा रही है। गठबंधन की राजनीति का सबसे बड़ा ख़तरा यह है कि वह लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की वैचारिक पहचान मिटा रही है। केवल चुनाव जीतकर सत्ता पाना ही उसका लक्ष्य रह गया है। यह दशा देखकर मन भारी हो जाता है और लगता कि जैसे हमारे देश के राजनीतिक दल उस जनता को हराकर चुनाव जीत रहे हैं जिसने संविधान अपने लिए आत्मार्पित किया है।

फ्रॉम हॉर्सेस माउथ

निर्मल आनंद

रमेश रंजन त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

'तू कैमरा लेकर माल रोड आ जा', उसने सुदीप को फोन पर बताया- 'मैं एक बारात में शामिल हूँ। मुझे शक है कि घोड़े पर अत्याचार किया जा रहा है। घोड़ा बारात वाला नहीं लग रहा। घोड़े का इंटरव्यू लेते हैं।'

दस मिनट में सुदीप कैमरा टाँगे आ गया। बैंड-बाजे के शोर में घोड़े का इंटरव्यू ले पाना संभव नहीं था। फिर भी जब बाराती बीच सड़क में एक जगह पर रुककर नाचने में व्यस्त हो जाते तब वह घोड़े के कान के पास अपना मुँहे ले जाकर बात करने की कोशिश करने लगता- 'आप बेचैन लग रहे हैं। लगता है आपको दूल्हे को पीठ पर बिठाकर बारात में चलने की आदत नहीं है।'

'मैं रेस का घोड़ा हूँ', घोड़े ने अपना दुखड़ा रोया- 'बारात वाले घोड़े की शादी हो रही है इसलिए वह छुट्टी पर है। अभी रिपेयरिंग के लिए कुछ दिन रेसकोर्स बंद रहेगा। मैं खाली था इसलिए मालिक ने दो पैसे कमाने के लिए मुझे बारात में भेज दिया।' 'तो क्या हुआ?' उसने सहानुभूति दिखाने का नाटक किया- 'आप एक घंटे में फ्री हो जाएंगे।' 'मैं रेसकोर्स में सबसे आगे रहने के लिए भागता हूँ', घोड़े ने अपनी व्यथा सुनाई- 'यहाँ मुझे सबसे पीछे रहने के लिए चलना पड़ रहा है। मुझे फिसड्डी बनना पसंद नहीं है।' 'यह अनोखा अनुभव कैसा लग रहा है?' उसने घोड़े को कुरेदा। 'मुझ जैसे फुर्तीले अश्व को अपनी पीठ पर स्मार्ट जॉकी के बजाय किसी खच्चर टाइप के व्यक्ति को ढोना पड़ रहा है', घोड़े के स्वर में वेदना छलक रही थी- 'रेस के मैदान में जब मैं हवा से बातें करता हुआ भागता था तो मेरे आगे-पीछे, दाएँ-बाएँ बढ़िया नस्ल के घोड़े दौड़ लगाते हुए दिखाई देते थे, स्टेडियम में बैठे धन्नासेठों की आवाजें गूँजती थीं, अद्भुत नजारा होता था।' वह बताते हुए थोड़ा रुका और फिर बोला- 'यहाँ देखिए, शादी के बैंड का कानफोड़ू शोर है और चारों ओर पुरुष और स्त्रियाँ ऐसे उछल-कूद रहे हैं जैसे नृत्यकला को घोंटकर पी चुके हों। रेसकोर्स में मेरा लक्ष्य था पहले नंबर पर आना और यहाँ मकसद है गाजे-बाजे के साथ अपने सवार को दुलहन के दरवाजे तक पहुँचाना।'

'शादी का घोड़ा बनकर आपको तो खुश होना चाहिए क्योंकि यहाँ आप किसी को उसके जीवनसाथी से मिलाने ले जा रहे हैं', उसने बात को घुमाकर घोड़े के मन की भावनाएँ उगलवाने की कोशिश की- 'जबकि घुड़दौड़ में आप चाहे-अनचाहे लोगों के भीतर पैसा कमाने के लिए कमोबेश सट्टा प्रवृति के पोषक भी बन रहे थे।'

'मुझे यह माहौल रास नहीं आ रहा', घोड़ा दुखी स्वर में बताने लगा- 'यद्यपि मेरे मालिक ने लड़केवालों को समझा दिया है कि मैं नाचना नहीं जानता, फिर भी मैं चिंतित हूँ कि शादी के नशे में धुत जमीन पर लेटकर नागिन डांस करनेवाले बारातियों में से किसी को सनक उठी और वह बैंड की धुन पर मुझे नचाने की जिद करने लगा तो क्या होगा? या तो मैं नाचूँ ही नहीं या फिर आड़े तिरछे पैर पटकते हुए किसी को घायल कर दूँ। सोचिए, ऐसे में शादी के माहौल का क्या होगा? मेरे स्वामी की कितनी फजीहत और मुझ जैसे रेस के घोड़े की कैसी बेइज्जती होगी!'

'आपने बारात में आने से मना क्यों नहीं कर दिया?' उसके मुँह से निकल गया। 'मालिक के खिलाफ जाने से बेहतर है उन्हें छोड़ देना', घोड़े ने उसाँस भरी- 'मन में आया था कि अपने जॉकी से बात कर दूसरा स्वामी तलाश लूँ। लेकिन फिर विचार बदल दिया।' 'क्यों?' उसकी उत्सुकता बढ़ गई। 'इसकी क्या गारंटी है कि नया मालिक मुझे शादी का घोड़ा नहीं बनाएगा!' घोड़े की बात ने उसे निरुत्तर कर दिया था। यह अनोखा इंटरव्यू प्रसारित होनेवाले कार्यक्रमों की सूची में काफी पीछे चल रहा है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

मनसुखलाल का वसन्त

वसन्त का पता सबसे पहले मुझे ही चलता है। इधर चिड़ियायें भी तिनके उठा-उठाकर घोंसला बनाने लगी हैं, लेकिन मैं उनके घोंसले को सपना पूरा नहीं होने देता। बदन में झुरझुरी और अजीब सी थिरकन दोनों एक साथ हुई तो मैं मन-ही-मन बुदबुदाया-'ओ माई गॉड, तुम फिर आ गये माई डियर वसन्त। वसन्त बोलता नहीं। बस हँसता है और अहसास जगाता है भीतर-ही-भीतर।'वसन्त का अपना आलम, जहान और संसार है, जब वह फूलों, पेड़-पौधों व पत्तों में ताजगी भर देता है। यही ताजगी इस बार उसने मेरे पड़ौसी मनसुखलाल में भरी तो वे उचकते फिरे। पीले कपड़े पहने अपने पीले दाँतों से खिलखिलाये तो मैंने कहा-'अमां मनसुख जरा बताओ तो तुम्हें वसन्त का पता कैसे चला ?'

वे बोले-'पहले तुम बताओ, तुम्हें कैसे चला ?' तनिक लजाकर वे बोले तो मैंने कहा-'इसमें लजाने और शरमाने की क्या बात है। मैं तो वसन्त का आथेंटिक राइटर हूँ। विगत पच्चीस वर्षो का इसके बारे में मेरा मौलिक अनुभव है। इसके आने के महीने-दो-महीने पहले ही मेरे मन में यह कुलांचे मारने लगता है। दो माह पहले लिखता हूँ वसन्त पर तब छप पाता है वसन्त पंचमी के दिन, इसलिए इसका पता मुझे सबसे पहले लग जाता है। अब भला तुम बताओ वसन्त का राग क्या है ?'

मनसुखलाल ने आँखों को बन्द किया, वसन्त को जीवंत कर बोले-'शर्मा रहने दो, मुझसे मत पूछो इस निगोड़े वसन्त के बारे में।''कमाल करते हो यार। मुझसे पूछ लिया और खुद छिपाते फिरते हो। देखो बता दो वरना हम भाभीजान से पूछ लेंगे।' मैंने कहा। मनसुखलाल ने आँखें खोली और बुदबुदाये-'शर्मा क्यों पतझड़ में हाथ डाल रहे हो। तुम्हारी भाभीजान क्या जाने यह मस्ताना वसन्त होता क्या है ? उसके भरोसे रहता-सूखकर काँटा हो जाता। मैंने अपना वसन्त खुद खोजा है शर्मा।''वही तो मैं पूछ रहा हूँ। आखिर तुमने वसन्त को इस पचास वर्ष की आयु में भी कैसे सहेजे रखा है ? ज्यादा बेताब मत करो भाई। खोलो वसन्त के रहस्यों की पर्तो को।' मैंने कहा तो मनसुखलाल ने तगड़ी अंगड़ाई मारी और उबासी के लिए मुँह खोला तो एक पल के लिए मैं घबरा गया। फिर मैं सम्भलकर बोला-'क्यों क्या बात है ? तुम शरीर को भयंकर आकार-प्रकार क्यों देते जा रहे हो। यह परम मनोहर वसन्ती हवा की चुभन को क्या ठीक प्रकार से महसूस नहीं कर रहे ?'

मनसुखलाल ने पीले-पीले दाँत इस बार पूरे दिखाये और कहा-'मैं कच्चा चबा जाऊँगा शर्मा।'

मैं बोला-'कैसे ?' मनसुखलाल ने चुप्पी साध ली। लम्बी डकार लेकर बोले-'शर्मा तुमने कच्चे अमरूद नहीं खाये। बहुत ही स्वादिष्ट होते हैं। वासन्ती बयारों के दिनों में मैं रोज कच्चे अमरूद खाता हूँ।'

मैं बोला-'लेकिन विषयांतर हो रहा है मनसुखलाल। तुम्हारी बेखुदी से मैं पगला गया हूँ। मैं पूछ रहा हूँ वसन्त का पता तुम्हें किसने बताया।' वे बोले-'मेरी बेखुदी और तुम्हारा पागलपन दोनों मिलकर वसन्त को जन्म देते हैं। ऐसा करो अपना कान मेरे पास लाओ। मैं तुम्हें बता दूँगा वसन्त का पता कहाँ से चला।'एक पल को मैं डर गया। मुझे लगा मनसुखलाल वसन्त के खुमार में मेरा कान ही न चबा डाले। मैं बोला-'देखो यहाँ कोई नहीं है। आराम से बताओ वसन्त का पता। मैं दूर से भी सुन लेताा हूँ। फिर तुमने शायद आज पेस्ट भी नहीं किया है। इसलिए भैया बता दो जो बसाना है वह।' मनसुखलाल की आँखों से चिंगारियाँ निकलने लगीं। वे खड़े हो गये तथा आकाश को घूरकर बोले-'आज मुझे कच्चे अमरूद नहीं मिले। कौन खिलायेगा ए आसमां मुझे कच्चे अमरूद !' मेरी समझ में कुछ भी नहीं आ रहा था कि आखिर मनसुखलाल बेतुकी हरकतें क्यों कर रहे हैं ? तभी श्रीमती मनसुखलाल वहाँ आ गई। मैंने कहा-'क्यों क्या आज मनसुख जी की तबियत ठीक नहीं है ?'

वह हँसी और बोली-'वसन्त आ गया है शर्मा जी, इनसे बात मत करो। खासतौर पर अपने कान को बचाकर रखना।' फिर वह मनसुखलाल से बोली-'अजी वसन्त को मारो गोली। सब्जी ले आओ। पकड़ो ये थैला।' प्रसन्नता से मनसुखलाल ने थैला ले लिया और और नाचते-कूदते सब्जी मण्डी की ओर प्रस्थान कर गये। सब्जी मण्डी से लौटे तो उनका भूगोल बदल गया था। रिक्शा में अधमरी अवस्था में आये। एक दाँत खून से भरा था। मैंने कहा-'ये क्या हुआ ?' वे बोले-'अत तो चल गया न वसन्त का पता। वसन्त के मारे को मारा लोगों ने पागल समझकर। वसन्त में यह नौबत आ जाये तो वसन्त की सफलता संदिग्ध नहीं रहती। मैंने वसन्त को सब्जी मण्डी में देखा था।

उसके बाद यह हादसा हुआ।' मैंने सहारा देकर उन्हें रिक्शे से उतारा तो वे बोले-'घबराने की बात नहीं है। रिक्शे वाले को दस रूपये देकर विद करो। मैं वसन्त को ढूँढ़कर ले आया हूँ। तुम्हें भी बताऊँगा।'मैं घबरा गया। मैंने रिक्शेवाले से कहा-'भाग लो, वसन्त का वायरस फिर सक्रिय हो गया है। पिटने और पीटने की बेला ज्यादा दूर नहीं है।'रिक्शेवाला घबराकर भाग लिया। मैंने भी दौड़कर अपने घर का दरवाजा बन्द कर लिया। इतना डरावना वसन्त मैंने जीवन में पहली बार देखा था। मनसुखलाल ने खड़े-खड़े फिर अंगड़ाई ली और खाली थैला हवा में उड़ा दिया। वसन्त मनसुखलाल की देह पर पूरी तरह सवार था और वे अपने मकान के बरामदे में बुरी तहर पसर गये। उन्हें इस हालत में देखकर मैंने अपनी दोनों आँखें बन्द कर ली। मुझे लगा-वसन्त पहले मैंने नहीं, मनसुखलाल ने देखा है। वैसे भी वे उम्र में मुझसे बड़े हैं।

आंदोलन

चित्रा माली

सहायक प्रोफेसर
गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी
विश्वविद्यालय क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता

नमक सत्याग्रह और महिलाएं

12 मार्च 1930 का दिन भारतीय राजनीति में बहुत ही ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण दिन था। आज ही के दिन गांधी जी ने अपने 71 अनुयायियों के साथ साबरमती आश्रम (अहमदाबाद) से दांडी तक 240 मील तक के एक लंबे मार्च की शुरुआत की थी। यात्रा के संपूर्ण रास्ते में जिधर से गांधी जी निकलते थे वहां के स्थानीय अधिकारी उन्हें त्यागपत्र सौंप देते थे। गुजरात के बलसाड़ जिले के पाटीदारों ने गांधी जी से अनुमति प्राप्त कर भू-राजस्व का भुगतान ठप कर दिया था। दांडी यात्रा का काल्पनिक चित्रण रिचर्ड एटनबरो की फ़िल्म 'गांधी' में देखा जा सकता है। जिसमे चारों दिशाओं से लोग मुख्य मार्ग पर गांधी का अनुसरण करते हुए मार्च करते हैं , कमाल की अनुशासनबद्धता को इसमें देखा जा सकता है।

जनवरी 1930 में गांधी जी ने इरविन के नाम एक ग्यारह सूत्री अल्टीमेटम जारी किया जिसमें आम तथा खास मांगें एक साथ रखी गईं। इन मांगों में संपूर्ण शराबबंदी, सियासी कैदियों की रिहाई, सेना के खर्च में कटौती एवं सेना के अफसरों के वेतन में कमी,शस्त्र अधिनियम में बदलाव,सीआईडी का सुधार,रुपया स्टर्लिंग की दरें कम करना,टेक्सटाइल सुरक्षा,तटीय जहाजरानी का भारतीयों के लिए आरक्षण,भू-राजस्व में पचास प्रतिशत की कटौती,नमक कानून तथा नमक पर सरकारी एकाधिकार की समाप्ति की मांग शामिल थी। इसके एक माह बाद गांधी जी ने घोषणा की कि वे नमक सत्याग्रह की शुरुआत के रूप में साबरमती से दांडी तक पद यात्रा (मार्च) करेंगे तथा दांडी के तट पर गैरकानूनी रूप से नमक बनाएंगे। दांडी यात्रा की पूर्व संध्या पर गांधी जी ने घोषणा की कि उनके नमक कानून को तोड़ने के साथ ही सारे देश में नमक का गैरकानूनी निर्माण शुरू कर दिया जाए। इसके साथ-साथ विदेशी वस्त्रों और शराब का बहिष्कार किया जाए। इसके अतिरिक्त गांधी जी ने सत्याग्रहियों को अहिंसक,सत्यनिष्ठ होने के साथ साथ अपने स्थानीय नेताओं के आदेशों का पालन करने की हिदायत भी दी। 12 मार्च 1930 का दिन भारतीय राजनीति में बहुत ही ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण दिन था। आज ही के दिन गांधी जी ने अपने 71 अनुयायियों के साथ साबरमती आश्रम (अहमदाबाद) से दांडी तक 240 मील तक के एक लंबे मार्च की शुरुआत की थी। यात्रा के संपूर्ण रास्ते में जिधर से गांधी जी निकलते थे वहां के स्थानीय अधिकारी उन्हें त्यागपत्र सौंप देते थे। गुजरात के बलसाड़ जिले के पाटीदारों ने गांधी जी से अनुमति प्राप्त कर भू-राजस्व का भुगतान ठप कर दिया था। दांडी यात्रा का काल्पनिक चित्रण रिचर्ड एटनबरो की फ़िल्म 'गांधी' में देखा जा सकता है। जिसमे चारों दिशाओं से लोग मुख्य मार्ग पर गांधी का अनुसरण करते हुए मार्च करते हैं , कमाल की अनुशासनबद्धता को इसमें देखा जा सकता है। दांडी यात्रा में लोग अपने गांव की सीमा से गांधी का स्वागत करते हुए दूसरे गांव की सीमा तक गांधी को विदा करते थे। जिनमें अधिक संख्या में महिलाएं होती थीं जो गांधी को देखना और सुनना चाहती थीं। बिना किसी दिशा निर्देश के ये गांधी के स्वानुशासित लोग थे जिसकी कल्पना गांधी ने की थी।

दांडी यात्रा के लिए गांधी जी के द्वारा चुने गए 71 लोगों में से एक भी महिला को न शामिल करने के कारण राष्ट्रवादी महिलाओं में खासी नाराजगी उभरी। सरोजनी नायडू, मृदुला साराभाई और खुर्शीदबेन (दादा भाई नौरोजी की पौत्री) ने गांधी जी को पत्र लिखा जिसमें महिलाओं को इस आंदोलन में शामिल करने के अनुरोध के साथ यह मांग भी की कि भारत की किसी भी समस्या के समाधान में महिलाओं की उपस्थिति के बिना कोई भी सम्मेलन या संगठन का आयोजन व्यर्थ है। भारत की आजादी के लिए आयोजित किसी भी यात्रा,आंदोलन, प्रदर्शन,प्रतिरोध में महिलाओं की भागीदारी को रोकना भी एक प्रकार का अन्याय है जो अनुचित भी है। 'स्त्री धर्म' की संपादक मार्ग्रेट कूजिंस ने अपनी पत्रिका के माध्यम से गांधी जी के इस निर्णय की आलोचना की। नमक सत्याग्रह से महिलाओं को इस आंदोलन से दूर रखने के अपने तर्क भी गांधी जी ने प्रस्तुत किए थे। गांधी जी ने तर्क दिया था कि जिस प्रकार हिंदू लोग गाय पर आक्रमण नहीं करते हैं उसी प्रकार अंग्रेज सरकार महिलाओं पर हिंसा करने से परहेज करती हैं। जिस प्रकार से युद्ध भूमि में गाय को साथ लेकर जाना कायरता की निशानी है उसी प्रकार किसी भी आंदोलन में महिलाओं को साथ लेकर जाना भी एक प्रकार की कायरता है। गांधी जी अपने इस निर्णय पर दृढ़ रहे लेकिन अपने आप को निर्दोष साबित करते हुए उन्होंने तर्क दिया कि उन्होंने महिलाओं के लिए मात्र नमक कानून तोड़ने के छोटे से काम के बजाय उन्होंने उनकी 'बड़ी भूमिका' तय की है। दांडी यात्रा के अंतिम दिन सरोजिनी नायडू यात्रा में शामिल हुई। नमक सत्याग्रह में गिरफ्तार होने वाली वे पहली महिला थी। गांधी और उनके अनुयायियों ने 6 अप्रैल 1930 को दांडी के तट पर नमक को अपनी मुट्ठी में लेकर प्रतिरोध किया था। क्योंकि नमक पर ब्रिटिश सरकार ने 'कर' लगा दिया था। इसे हम दांडी मार्च,नमक सत्याग्रह,सविनय अवज्ञा आंदोलन के नाम से जानते हैं। दांडी यात्रा की समाप्ति दिन 6 अप्रैल के बाद समूचे देश में सत्याग्रहियों ने नमक बना कर कानून को तोड़ा, विदेशी वस्तुओं और शराब का बहिष्कार शुरू कर दिया। कांग्रेस कमेटी ने सारे देश में सत्याग्रहियों का नेतृत्व करने के लिए महिलाओं का चयन किया। सत्याग्रह आयोजित करने के लिए प्रकोष्ठ बनाए गए तथा उसके नेता को तानाशाह (डिक्टेटर) का नाम दिया गया। डिक्टेटर के रूप में कार्य करने के लिए सरोजिनी नायडू, लाडो रानी जुत्शी,कमला नेहरू, हंसा मेहता, सत्यवती,अवंतिकाबाई गोखले, पार्वतीबाई, रुक्मणि लक्ष्मीपति,पेरिन,गोशीबेन कैप्टन, लीलावती मुंशी, दुर्गाबाई देशमुख तथा कमला देवी चट्टोपाध्याय के अतिरिक्त कई अन्य महिलाओं को डिक्टेटर के रूप में कार्य करने के लिए चुना गया। इस दौरान बड़े पैमाने पर नेताओं की गिरफ्तारी हो रही थी इसलिए किसी भी डिक्टेटर का कार्यकाल बहुत छोटा होता था। समूचे देश की लाखों महिलाओं ने नमक सत्याग्रह में शामिल होकर नमक बनाना तथा कानून तोड़ना शुरू कर दिया। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में पहली बार भारतीय महिलाओं की व्यापक सहभागिता को नमक सत्याग्रह में देखा जा सकता है। अनेक राष्ट्रवादी महिलाओं पर इसके प्रभाव को रेखांकित करते हुए नमक सत्याग्रह के पहने दिन कमला देवी चट्टोपाध्याय ने अपने सारगर्भित भाषण में इसे एनी बेसेंट, सरोजिनी नायडू और मार्ग्रेट कूजिंस की तर्ज पर अत्यंत 'यादगार' क्षण बताया। उन्होंने इस बात जोर दिया कि भारतीय महिलाएं विनम्र और पराक्रमी हैं। हालांकि नमक सत्याग्रह में भाग लेने के लिए कुछ ही महिलाओं का औपचारिक चयन हुआ है लेकिन इसके माध्यम से भारतीय क्रांति ने 6 अप्रैल 1930 की सुबह पहली अंगड़ाई ली है जो कि शाम ढलते-ढलते समूचे देश में एक विशाल आंदोलन के रूप में फैल गई है। इस अविस्मरणीय दिन हजारों महिलाएं गर्वीले सिपाही की तरह लंबे-लंबे कदम उठाती हुई समुद्र में कूद पड़ीं। परंतु उन्होंने हथियारों की जगह मिट्टी, तांबे तथा पीतल की गगरियां और वर्दी की जगह साधारण भारतीय परिधान साड़ी पहन रखी थी।....हजारों जवान,बूढ़ी, अमीर और गरीब महिलाएं अपने सामाजिक बंधनों को तोड़कर नमक सत्याग्रह में एक साथ कूद पड़ीं। वे नमक के छोटे-छोटे पैकेट लेकर गलियों के कोनों पर खड़ी हो जाती और जोरदार आवाज में चिल्लाकर कहतीं 'हमने नमक कानून तोड़ दिया है और अब हम आजाद है। है कोई आजादी का नमक खरीदने वाला? उनकी आवाज व्यर्थ नहीं जाती उनके आसपास से गुजरनेवाला हर शख्स रुकता और उनसे नमक खरीद कर गर्व महसूस करता। सविनय अवज्ञा आंदोलन के दूसरे चरण में 'कर और राजस्व' के नागरिकों के बहिष्कार के फलस्वरूप सरकार ने घरों के सामान, उपकरण और जमीन को जब्त करना शुरू कर दिया था। बाद में, जब्त सामान की नीलामी भी की जाती थी। इन नीलामियों का बहिष्कार महिलाओं के द्वारा किया गया जो सविनय अवज्ञा में उनकी सक्रिय भूमिका को दर्ज करता है। 1930 के दशक में ही महिलाओं को पुलिस के दमन का सामना भी करना पड़ा। महिलाओं के जुलूसों पर लाठीचार्ज किया गया, धरने पर बैठी महिलाओं को गिरफ्तार कर सजा भी दी गई। धरसाना में महिला सत्याग्रहियों के साथ पुलिस ने लाठीचार्ज किया और बढ़ी संख्या में गिरफ्तारियां की गई। विरमगांव की दो सौ महिलाएं आंदोलनकारियों के लिए पानी लेकर रेलवे स्टेशन गई थी। वहां पर पुलिस ने उनकी बेहरहमी से पिटाई कर दी। जुलाई 1930 में तिलक की सालगिरह मनाने के लिए हंसा मेहता के नेतृत्व में निकाले गए जुलूस पर लाठीचार्ज किया गया तथा कमला नेहरू, अमृता कौर,मणिबेन पटेल और हंसा मेहता समेत लगभग सौ महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया। मद्रास में पुलिस ने महिला सत्याग्रहियों पर लाठीचार्ज के अलावा दूसरे तरीके भी अपनाए। इन तरीकों में से एक था घेराव करने वाली महिलाओं पर पानी की तेज धार फेंकना। 25 जनवरी 1932 के 'द हिंदू' समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ कि 'दो महिला कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने यह तरीका अपनाया जिसके कारण वे बेहोश हो गई। पुलिस ने किसी को भी उनकी सहायता के लिए उनके पास नहीं जाने दिया। मद्रास नगर निगम ने इसका विरोध किया तो पुलिस ने यह तरीका त्याग दिया गया। अक्टूबर 1930 में मध्यप्रदेश में वन कानून का उल्लंघन करने वाली सत्याग्रहियों पर पुलिस ने गोलियां चलाई जिसके परिणामस्वरूप दो गोंड आदिवासी महिलाओं की मृत्यु हो गई। यह सभी कृत्य गांधी जी की अंग्रेजों की सभ्यता संबंधी अवधारणा के विरुद्ध थे जिसकी वे दलील दे रहे थे और महिलाओं को आंदोलनों में सक्रिय सहभागिता से रोक रहे थे। पंजाब में सरला देवी चौधरानी के नेतृत्व में चरखा कातने और विदेशी चीजों के बहिष्कार पर बल दिया गया। सविनय अवज्ञा आंदोलन के बाद कई महिला संगठनों का निर्माण हुआ जिसमें महत्वपूर्ण संगठन देश सेविका संघ,नारी सत्याग्रह समिति,महिला राष्ट्रीय समिति,महिला राष्ट्रीय संघ,लेडीज पिकेटिंग बोर्ड,स्त्री स्वराज्य संघ आदि। महिला संगठनों ने मुख्य रूप से जुलूस,धरने,खादी का प्रचार-प्रसार,चरखा चलाने का प्रशिक्षण इत्यादि कार्यों को संगठन के दैनिक एजेंडे में शामिल किया था।

गांधी जी नमक सत्याग्रह में सविनय अवज्ञा को साधन के रूप में इस्तेमाल करते हैं और व्यापक जनसमूह का समर्थन प्राप्त करते हैं,जिसमें आधी आबादी ने प्रमुखता से हिस्सा लिया था और गांधी जी द्वारा चलाए गए हर आंदोलन में अपनी निर्णायक भूमिका तय की। गांधी जी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह आंदोलन में महिलाओं की सहभागिता ने उन्हें महिलाओं की आत्मबलिदानी एवं कष्ट सहन करने की असाधारण क्षमताओं का अहसास कराया। आने वाले वर्षों में गांधी जी ने महिलाओं के अनिवार्य रूप से आत्मबलिदानी स्वभाव को एक सिद्धांत के रूप में प्रतिपादित किया जो कि नैतिक सिद्धांतों के आधार पर अहिंसक युद्ध के लिए सर्वाधिक उपयुक्त था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के आंदोलनों में और खासकर पर्यावरणीय आंदोलनों में महिलाओं के कुशल नेतृत्व व सक्रिय सहभागिता को देखा जा सकता है उदाहरण के लिए चिपको आंदोलन,नर्मदा बचाओ आंदोलन, आप्पिको आंदोलन और भी कई आंदोलनों को इस सूची में शामिल किया जा सकता है। इन आंदोलनों में महिलाओं के द्वारा गांधीवादी तरीकों का प्रयोग किया गया। अपने सभी आंदोलनों को महिलाओं ने अहिंसक प्रतिरोधों व नए तरीकों से संचालित किया है और समूचे विश्व में आज भी कर रही हैं।

नो स्मोकिंग डे पर विशेष

अतुल गोयल

लेखक न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर हैं।

स्वास्थ्य का सबसे बड़ा दुश्मन है धूम्रपान

प्रतिवर्ष मार्च महीने के दूसरे बुधवार को धूम्रपान के आदी मित्रों और परिजनों को धूम्रपान छोड़ने के लिए मदद पाने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 12 मार्च को मनाया जा रहा है। यह दिवस हर साल एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2025 के 'नो स्मोकिंग डे' की थीम है 'इस नो स्मोकिंग डे पर अपनी जिंदगी वापस लें'। पहली बार यह दिवस 1984 में आयरलैंड गणराज्य में मनाया गया था। यह गहन चिंतन का विषय है कि पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति बेहद चिंताजनक प्रतीत होती है। ऐसे बच्चों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। चूंकि बच्चों का मन कोमल होता है, इसीलिए तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद वे यह समझने की स्थिति में नहीं होते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है और बच्चों पर तो इसका प्रभाव बहुत घातक होता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है।

दुनियाभर में धूम्रपान के कारण हर साल 70 लाख से भी ज्यादा मौतें हो रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। वरिष्ठ पत्रकार योगेश कुमार गोयल की पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में विस्तार से बताया गया है कि सिगरेट के धुएं में पोलिनियम 210, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, निकल, पाईरीडिन, बेंजीपाइरीन, नाइट्रोजन आइसोप्रेनावाइड, अम्ल, क्षार, निकोटीन, टार, जिंक, हाइड्रोजन साइनाइड, कैडमियम, ग्लायकोलिक एसिड, सक्सीनिक एसिड, एसीटिक एसिड, फार्मिक एसिड, मिथाइल क्लोराइड इत्यादि चार हजार से भी ज्यादा घातक रासायनिक तत्व विद्यमान होते हैं, जो मानव शरीर को विभिन्न प्रकार से नुकसान पहुंचाते हैं।

गर्भवती महिलाओं द्वारा धूम्रपान किए जाने से कम लम्बाई और कम वजन के बच्चों का जन्म, बच्चों में अपंगता तथा बाल्यावस्था में ही घातक हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। प्रतिदिन बीस सिगरेट तक पीने वाली गर्भवती महिला के बच्चे की मृत्यु होने की संभावना सामान्य के मुकाबले बीस फीसदी बढ़ जाती है जबकि बीस से अधिक सिगरेट पीने पर यह खतरा पैंतीस फीसदी तक हो जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक किसी दूसरे के धूम्रपान के धुएं के प्रभाव से दिल के दौरे से होने वाली मौतों की आशंका तीस फीसदी बढ़ जाती है।

विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। धूम्रपान कितना खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सिगरेटों के खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है। दो से बारह सप्ताह में फेफड़ों की कार्यक्षमता में तेजी से वृद्धि होती है तथा एक से नौ माह में खांसी तथा श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मनुष्य के फेफड़ों में जादुई क्षमता होती है, जो धूम्रपान से होने वाले कुछ नुकसान को स्वयं ठीक कर देती है और जो व्यक्ति धूम्रपान छोड़ देते हैं, उनकी चालीस फीसदी कोशिकाएं ऐसे लोगों की तरह ही हो जाती हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया।

चुभता वसंत

सीमा देवेन्द्र

तुम नहीं तो कुछ भी नहीं
ना ये वसंत
ना वो सावन।
बदरंग सा फागुन
बैठा होगा किसी
पलाश के ऊपर।
और बिखर गए रंग
ज़मीन पर
धूल में सने।
सूखी टहनियों को
एकटक देख रहा
पतझर।
फागुन में दहकता पलाश
झुलसती बहारें
चुभता सा वसंत।
नही बंधती सीमा में
ये फागुनी हवाएं और
वो सुगंध दहकते पलाश की।
जो तुम नही तो कुछ भी नहीं
ना ये वसंत
ना वो सावन।

अब फागुन में कोई गीत नहीं

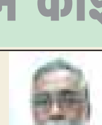

कमलेश कुमार दीवान

अब फागुन में कोई गीत नहीं गाए जाते ओ मन
कुछ देर और ठहरों आंगन
विचलित सा है यह जन जीवन
बिफरा बिफरा सा है यह मन
अब %वो% ही नहीं आते भाते
कोई प्रीति नहीं,न भरमाते

इस गुन के कोई मीत नहीं पाए जाते ओ मन।
फागुन में कोई गीत नहीं गाए जाते ओ मन ।
क्यों हैं रंगों से सराबोर
विस्मृत से कण कण है विभोर
हम विस्मित हैं कैसी ये भोर
मन हो म्यूर नाचे, ले हिलोर
कुछ गुन गुन में इस रून झुन में
कुछ और देर पसरो पाहुन
कोई रीत नहीं अपनाई है,आते जाते ओ मन ।
फागुन में कोई गीत नहीं गाए जाते ओ मन।।

स्मृति का संगीत

ब्रजेश कानूनगो

लेखक स्तंभकार हैं।

होली, श्मशान, मोदीजी की बावड़ी और मेरा डर

मन का क्या है। पंख लगे होते हैं उसके। होली आई तो आज उड़ते उड़ते जा बैठा चालीस-पचास बरस पहले के अपने घर की छत के कंगूरे पर। दो मंजिले मकान की छत पर लकड़ी की बल्लियां लगी थीं जिन्हें जुपीए कहते थे, जिसके ऊपर मिट्टी की तह बिछाई गई थी। फिर थोडे ऊपर टीन की चद्दरें ठोंकी हुई थीं।

नीचे मने ग्राउंड फ्लोर पर अगला कमरा बैठक खाना और उसके बाद एक अँधेरा कोठार जिसमे केवल एक दरवाजा। कोई खिड़की नहीं। हवा का कोई आवागमन नहीं। इसमें गुड़ समेत खजाना सा भरा होता था। कुछ बोतलों में गार (ओले) का पानी ऐसे सहेजा हुआ था जैसे अमृत रखा हो।मुहल्ले में यदा कदा चम्मच भर कोई मांगने आ जाता था। बर्नियों में बहुत ख़ास अचार रखा, कोठार को महकाता रहता था।

गर्मियों में कोठार की ज़रा सी जगह में दादी बोरी बिछा कर दोपहर की नींद निकालती। वहां उनके बगल में जैसे शिमला बसी थी। और मई जून की दोपहर में बैठक खाने के दरवाजे की दरार से धधकती सड़क से कुल्फी के ठेले की चमक और परछाइयों का प्रवेश चलचित्र की रौशनी सा दीवारों पर गुजरता था। कोई कूलर या पंखा नहीं था।

आज कांक्रीट के इस स्वर्ग में जब अपने बचपन को याद करने बैठा हूँ...किसी पुराने चलचित्र की तरह सामने आता जा रहा है!! वह कुमार गन्धर्व की नगरी (देवास) का संगीत सम्राट रज्जब अली खां मार्ग का एक मकान भर नहीं था। सभी दुखों का समाधान करता एक घर था हमारा। बचपन में मैं बहुत डरपोक किस्म का प्राणी था। चौराहों पर होली,धुलेंडी, रंगपंचमी के दिन रंगों के भरे कढावों से बहुत घबराता था। कोई कहता कि 'वो पुलिस आई!' तो मैं घर में छुप जाया करता था। स्कूल में हैजे आदि के टीके लगाने के लिए स्वास्थ्य कर्मी आते तो मैं भाग जाया करता था। आसपास या घर में किसी की मौत हो जाती तो भी मैं सामने नहीं आता था। या मुझे पड़ोसी के यहाँ भेज दिया जाता था. बहरहाल, जो बोरन डूबन डरा रहा किनारे बैठ। बहुत हद तक मुझ पर ठीक बैठती है यह उक्ति। सिंहस्थ के दौरान जब क्षिप्रा नदी में नर्मदा जल में लाखों लोग डुबकियां लगाते हैं, मुझे मोदी जी की बावड़ी

याद आने लगती है।

अनुपम मिश्र की ख्यात पुस्तक 'आज भी खरे हैं तालाब' में चित्रकार दिलीप चिंचालकर के रेखांकनों के साथ साथ जिन बावड़ियों और चोपडों के चित्र हैं उसी खूबसूरती का नमूना थी मोदी जी की बावड़ी। थोड़ी ही दूर पर एक शानदार वास्तुशिल्प वाला चोपड़ा भी था उनका। पास ही खेत था और थोड़ा आगे देवास का श्मशान। आज की तरह बस्ती नहीं थी वहां। सुनसान जंगल ही था वह क्षेत्र। होली के दिनों में इस श्मसान का भी बड़ा महत्त्व हो जाया करता था। होली के दांडे से लेकर होली में जलाने की लकड़ियों का तो जैसे यह खजाना था। होली की रात यहीं से हम मित्रों की टोली लकड़ियाँ चुराकर लाती थीं। सेव परमल की पार्टियां हुआ करतीं।

मोदी जी की बावड़ी और चोपड़ा श्मशान स्थल के बिलकुल निकट थे। दूसरे बड़े दादा जी परिवार के बच्चों को सुबह सुबह अपने मित्र मोदी जी की बावड़ी में तैरना सीखाने ले जाते थे। गर्मियों की छुट्टियों में रिटायर्ड कलेक्टर साहब का अनुशासन हम बच्चों पर खूब चलता था। मैं थोडा पढ़ाकू किस्म का बच्चा था और परियों से लेकर भूत प्रेत तक की सभी कहानियां पढ़ डालता था। मैं नवाब बनना चाहता था, परीक्षाओं में अव्वल आता था, इस लिए ज्यादा खेलकूद कर खराब नहीं बनना चाहता था। उन दिनों प्रचलित भी यही था कि 'पढोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे बनोगे खराब'।

बहरहाल, दादा जी हम बच्चों को घेर घारकर मोदी जी की बावड़ी पर ले जाते सुबह सुबह। पजामों के सिरों को बाँध देते और हवा में फूले हुए इन सुरक्षा गुब्बारों सहित हमें बावड़ी के पानी में हाथ-पैर मारने को फैंक देते। हुआ यह कि मैं राजा बाबू किस्म का लाडला बच्चा ' जीजी जीजी' कहकर घर भाग आता,और जीजी के दुलार में ऐसा गुम हो जाता कि कलेक्टर साहब मेरे अलावा सबको तैराकी सिखा गए। जो उस वक्त तैरना सीख गए वे गोते लगा रहे हैं।

डीजे बजाने को लेकर विवाद

बारातियों ने डीजे चालक से की मारपीट

घटना के विरोध में थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

बैतूल/शाहपुर। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बांका खोदरी में डीजे बजाने को लेकर विवाद हो गया। आरोपियों ने डीजे संचालक एवं एक अन्य पर हमला कर दिया, जिससे दोनों घायल हो गए। जिसकी लिखित शिकायत 11 मार्च को टेंट, साउंड संगठन के माध्यम से शाहपुर थाने में आवेदन देकर की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम बांका खोदरी में ओमकार सिनोटिया के यहां बारात आई हुई थी, उन्होंने शादी में संगीत के लिए डीजे भी बुक किया गया था, बारातियों द्वारा रात 10 बजे के बाद डीजे बजाने को लेकर डीजे संचालक से पहले तो तू-तू, मैं-मैं होती रही, उसके बाद मामला मारपीट में बदल गया। जहां बारातियों के द्वारा डीजे संचालक समर्पित करने के बाद सामान में भी तोडफ़ोड़ की गई है जिससे डीजे संचालक विजय मलैया घायल हो गए तथा बारातियों द्वारा डीजे संचालक को पुलिस शिकायत नहीं करने की धमकियां भी दी गई थी।

टेंट, साउंड, हलवाई संगठन ने सौंपा ज्ञापन

6 मार्च को हुई घटना के बाद मंगलवार के दिन ब्लॉक के टेंट, साउंड, हवाई संगठन ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर बताया कि बांका खोदरी में बारातियों द्वारा डीजे संचालक विनय मलैया को सरकारी गाइडलाइंस 10ः00 बजे के बाद डीजे चलने को लेकर मारपीट एवं अभद्र व्यवहार किया गया एवं टेंट मजदूरों को भी मारा गया बारातियों द्वारा द्वारा थाने में फिर करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई जिसके कारण टेंट व्यापारी एवं उसका परिवार में डर का माहौल बना हुआ है। ज्ञापन में मुख्य आरोपी सावन चौर (दूल्हे का जीजाजी) और सागर वर्मा (दूल्हे का भाई) एवं अज्ञात 20 लोगों पर कार्यवाही की मांग की गई है।

मप्र का आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2024-25 जारी

मप्र का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2024-25 में प्रचलित भावों पर 15,03,395 करोड़ रूपये पहुंचा

2028-29 तक सकल घरेलू उत्पाद दोगुना करने का लक्ष्य : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2024-25 प्रचलित भावों पर रूपये 1503395 करोड़ पहुंच गया है, जो वर्ष 2023-24 में रूपये 1353809 करोड़ था। पिछले वित्तीय वर्ष से 11.05 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश ने वर्ष 2028-29 तक राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

मंगलवार को विधान सभा में प्रस्तुत मध्यप्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2024-25 के अनुसार मध्यप्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2024-25 में स्थिर भावों पर जीएसडीपी 712260 करोड़ रूपये है जो वर्ष 2023-24 में 671636 करोड़ रहा। यह 6.05 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि दिखाता है।

मध्यप्रदेश की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2024-25 प्रचलित भावों पर रूपये 152615 हो गई है। स्थिर भाव पर वर्ष 2024-25 में प्रति व्यक्ति आय रूपये 70434 है । मध्यप्रदेश के सकल मूल्य वर्धन में प्रचलित भावों पर वर्ष 2024-25 में क्षेत्रवार हिस्सेदारी क्रमशः प्राथमिक क्षेत्र में 44.36 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र में 19.03 प्रतिशत तथा तृतीयक क्षेत्र में 36.61 प्रतिशत रही है।

मध्यप्रदेश ने लोक वित्त में अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था बनाये रखने के लिये प्रभावी कदम उठाये गये है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजस्व अधिशेष रूपये 1700 करोड़ रहने का अनुमान है, जबकि राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 4.11 प्रतिशत तक सीमित रहेगा। राजस्व प्राप्तियां रूपये 263344 करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार कृषि फसल क्षेत्र का प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत योगदान वर्ष 2024-25 में 30.90 प्रतिशत रहा लेकिन प्रचलित भाव पर यह 10.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि स्थिर भाव में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी तरह पशुधन क्षेत्र में 7.45 प्रतिशत का योगदान रहा । इसकी वृद्धि स्थिर भाव पर क्रमशः 11.93 प्रतिशत एवं 8.39 प्रतिशत रही।

'विकसित भारत' की कल्पना के अनुरूप 'विकसित मध्यप्रदेश के रूप में राज्य अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करेगा। प्रदेश की मजबूत बैंकिंग प्रणाली और वित्तीय समावेश की शक्ति से आर्थिक तंत्र निरंतर सशक्त हो रहा है।

कृषि और कृषि प्र-संस्करण के माध्यम से आय के स्त्रोतों में वृद्धि हो रही है, जबकि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, बड़ी अधोसंरचनात्मक परियोजनाएं, वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों का विस्तार, और ऊर्जा उपलब्धता में बढ़ोतरी जैसे महत्वपूर्ण घटक एक आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में प्रदेश की प्रगति को दर्शाते हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक और सामाजिक समावेश तथा महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देने से आर्थिक और सामाजिक उन्नति में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में गरीब कल्याण, युवा शक्ति, अन्नदाता, और नारी शक्ति जैसे चार प्रमुख मिशनों की शुरुआत की है। ये मिशन क्रमशः समाज के वंचित वर्गों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के समग्र विकास एवं आर्थिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने कार्यरत हैं। सरकार का संकल्प है कि राज्य की आर्थिक नीतियां समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास में सहायक हों और व्यापक आर्थिक समृद्धि सुनिश्चित करें।

मध्यप्रदेश सरकार ने 'ईज़ ऑफ लिविंग' और 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' को बढ़ावा देने के लिए मानकों के सरलीकरण, जनविश्वास बिल, राजस्व महाभियान और पीएम जनमन कार्यक्रम जैसे प्रभावी उपायों को अपनाया है, जिससे सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। राज्य के प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धि, टाइगर एवं चीता रिजर्व, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरें, और पर्यटन स्थलों ने मध्यप्रदेश को पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

मध्यप्रदेश आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 2024-25 प्रदेश की आर्थिक प्रतिबद्धताओं, विकास योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। यह सर्वेक्षण राज्य की विकास यात्रा को प्रतिबिंबित करता है और यह दर्शाता है कि मध्यप्रदेश सतत और समावेशी आर्थिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है।मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2025 को ''उद्योग वर्ष'' घोषित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में द्वितीयक क्षेत्र में 2.73 लाख करोड़ रूपये के सकल मूल्य वर्धन तक पहुँच गया। राज्य में औद्योगिक क्षेत्र में बुनियादी ढॉचे के विकास कार्यो के लिये वर्ष 2024-25 में 145.13 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई तथा दिसम्बर 2024 तक 4.17 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये।

राज्य में सामाजिक क्षेत्र के लिये महत्वपूर्ण बजटीय आवंटन किये गये है जिसमें पिछले चार वर्षो में 82.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सरकार ने समस्त बाल विकास को प्राथमिकता देते हुये राज्य के कुल बजट का 21.6 प्रतिशत बजट आवंटित किया है। '' पोषण भी पढाई भी'' '' स्व-सहायता समूह'' '' सामुदायिक संस्थागत विकास'' '' लखपति दीदी'' ''विकसित मध्यप्रदेश विजन 2047'' आदि इस दिशा में अग्रणी प्रयास है।

स्वास्थ्य क्षेत्र मे राज्य का बजट वर्ष 2024-25 में 15744 करोड़ रूपये तक पहुँच गया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 4.85 करोड़ से अधिक कार्ड जारी किये गये है।

वर्ष 2024-25 में शिक्षा का बजट 11.26 प्रतिशत आवंटित किया गया है। सी.एम.राईज स्कूल योजना के तहत 274 स्कूलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। व्यावसायिक शिक्षा में 14 ट्रेडस शुरू किये गये है। उच्च शिक्षा के अंतर्गत 1346 महाविद्यालय में 10.5 लाख सीट उपलब्ध है। कौशल विकास मिशन के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 3.49 लाख छात्रों को व्यावसयिक शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया है।

राज्य अधिसूचित वन क्षेत्र 94.69 हजार वर्ग किलोमीटर तथा वनावरण 77.07 हजार वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल के साथ अग्रणी स्थिति पर है। वर्ष 2024 में राज्य का भू-जल संसाधन 35.90 बी.सी.एम. पहुँच गया है। राज्य में वर्ष 2023-24 में खनिज उत्पादन मूल्य पिछले वर्ष की तुलना में 16.71 प्रतिशत अधिक रहा है। माइनिंग कान्क्लेव 2024 में रूपये 19250 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये है।

राज्य सरकार ने वर्ष 2024-25 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को रूपये 472.28 करोड़ का बजट आवंटित किया है। राज्य में 10 आई.टी.पार्क एवं 4 आई.टी विकसित किये गये है। राज्य में 4895 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप कार्यरत है।

21 मार्च से ट्यूबवेल खनन पर लग जायेगा प्रतिबंध, भूमिजल के अतिदोहन से बिगड़ रहे हालात

जिले में तेजी से कम हो रहा भू-जलस्तर, पांच साल में गिरा 4 मीटर

संजय द्विवेदी, बैतूल।

अभी मार्च माह की शुरूआत हुई ही है और जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है। पीएचई के पांच साल पुराने भूमिगत जलस्तर के आंकड़ों का अवलोकन किया जाये, तो आज की स्थिति में 3.14 मीटर तक जलस्तर नीचे लुढ़क चुका है। यही कारण है कि जलसंकट के हालतों से निपटने के लिए जल निगम को सतही जलसंरचनाओं जैसी नलजल योजनाओं पर काम करना पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि भूमिगत जल का लगातार दोहन होने के कारण जमीन से पानी का स्तर गिर रहा है। बता दे कि पीएचई विभाग ने जिले के सभी ब्लाकों में हैंडपंप चिन्हित किया है। इन हैंडपंपों में डाले गये पाइपों के माध्यम से जलस्तर की नाप करते हैं और उसके आधार हर डाटा एकत्रित कर जलस्तर का पता लगाते हैं। भूजलस्तर की जांच के लिए प्रत्येक ब्लॉक के हैंडपंप निश्चित किया गया है। हाल ही में पीएचई विभाग द्वारा लिये गये आंकडों के मुताबिक जिले का जलस्तर 21.8 मीटर दर्ज किया गया है, जो पिछले पांच साल के आंकडों के अनुसार 3.14 मीटर लुढका है। वॉटर लेवल में आ रही कमी के चलते कई हैंडपंपों और ट्यूबवेलों ने दम तोडऩा शुरू कर दिया है। इस स्थिति को देखते हुए ही जिला प्रशासन ने बैतूल जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त घोषित कर दिया है।

जमीनी जल के अतिदोहन से बिगड़ रहे हालात :शहरी और ग्रामीणांचलों में फसलों की सिंचाई के लिए बोरों के माध्यम से पानी निकाला जा रहा है। जिससे अब ग्रामीण अंचलों में भी भीषण जलसंकट व्याप्त होने लगा है। यहीं वजह है कि गर्मी के शुरूआती दौर में ही कई हैंडपंप और ट्यूबवेल दाम तोडने लगते है। हालत यह है कि अभी भी कई ब्लाकों में लगे अधिकांश हैंडपंप पानी की जगह हवा फेंक रहे हैं। इस बार भी भूमिगत जलस्तर का अतिदोहन किए जाने के कारण समय से पहले हालत बिगड़ गए हैं। पीएचई के आंकड़ों गौर करे तो बीते पांच सालों में भू-जल स्तर में बड़ी गिरावट आई है। वॉटर लेवल चार मीटर तक नीचे लुढ़क गया है।

21.8 मीटर पर पहुंचा जलस्तर :हर साल गर्मी की शुरूआत होते ही जिले में जलसंकट के हालत निर्मित होने लगते है। भूमिगत जलस्तर में भी हर साल तेजी से गिरावट आ रही है। पीएचई के पांच साल पुराने भूमिगत जलस्तर के आंकड़ों का यदि आज की स्थिति का अध्ययन करते तो पता चलता है कि 3.14 मीटर तक जलस्तर नीचे लुढ़क चुका है। पीएचई की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 फरवरी माह में जिले का औसत जलस्तर 17.06 मीटर पर था, जो इस साल फरवरी में ही 21.80 मीटर पर पहुंच गया है। वहीं छोटे-छोटे तालाबों में भी तेजी से जल घटता जा रहा है। हालात यह है कि कई गांवों में अभी से पानी के लिए लोगों को जद्दोजहद करना पड़ रहा है।

21 मार्च से नलकूप खनन पर प्रतिबंध ....

वॉटर लेवल में आ रही गिरावट के चलते जिला प्रशासन ने बैतूल जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त घोषित कर दिया है। जिससे अब अशासकीय व निजी नलकूप खनन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लग गया है। प्रशासन ने 21 मार्च से नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए है। उसमें इस बात का उल्लेख किया है कि जिले में कृषि, व्यवसायिक कार्य के लिए भू-जल स्त्रोतों का अतिदोहन होने से पेयजल स्त्रोतों, नलकूपों का जलस्तर तेजी से गिर रहा है। गिरते भू-जल स्तर के कारण जिले के समस्त विकासखंडों तथा तहसीलों में आगामी ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट की संभावना नजर आ रही है।

भूजल स्तर में कमी के कारण

1. बारिश कम होना।
2. बेतरतीब दोहन।
3. ज्यादा कुएं, ट्यूबवेल खोदना।
4. लगातार सीमेंटीकरण।
5. शहरों का विस्तार।
6. कृषि के लिए ज्यादा पानी का इस्तेमाल होना।
7. वनों का कटना।

इनका कहना है –

● जमीनी जल का दोहन, सिंचाई के लिए ट्यूबवेल खनन भूमिजल स्तर में कमी का भी एक कारण है। अभी जिले का जलस्तर 21.8 मीटर दर्ज किया है।

मनोज बघेल, ईई, पीएचई विभाग बैतूल

जिला पंचायत सीईओ ने जनसुनवाई में आए नागरिकों की सुनी समस्याएं

बैतूल। जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया। जनसुनवाई में कुल 131 आवेदन प्राप्त हुए। जिला पंचायत सीईओ ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदन का गंभीरता पूर्वक निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में बैतूल जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत माथनी कुम्हारिया निवासी सुनील जावलकर ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। प्राप्त आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ श्री अक्षत जैन संबंधित अधिकारी को प्रकरण के जांच के निर्देश दिए। आमला जनपद पंचायत के ग्राम लीलाझर निवासी तुलसी घागरे ने अनुग्रह सहायता राशि दिलाएं जाने के लिए आवेदन किया। जिस पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन आमला जनपद सीईओ को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बैतूल मुख्यालय के चंद्रशेखर वार्ड निवासी उर्मिला पवार ने सडक़ एवं नाली बनाए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर सीईओ श्री जैन ने नगर पालिका अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

संबल अनुग्रह राशि दिलाने की मांग- जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम खातेडा कला निवासी सतीश विश्वकर्मा ने संबल अनुग्रह राशि दिलाए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने श्रम विभाग के संबंधित अधिकारी को प्रकरण के जांच के निर्देश दिए। ग्राम वलनी निवासी सुनीता कुमरे ने संबल योजना का लाभ दिए जाने संबंधी आवेदन दिया। जिस पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने प्रभातपट्टन सीईओ को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

वर्ष 2024-25 के लिए अचल संपत्ति के बाजार मूल्य का निर्धारण सुझाव 16 मार्च तक आमंत्रित

बैतूल। जिला मूल्यांकन समिति अध्यक्ष व कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने म.प्र.बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम 2018 के नियम 4 के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य को उप जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त प्रस्तावों पर जिला मूल्यांकन समिति द्वारा विचार उपरांत उप जिला मूल्यांकन समितियों द्वारा प्रस्तावित अनंतिम दरों को अनुमोदित किया गया है। इस संबंध में जिला मूल्यांकन समिति के जिला पंजीयक एवं संयोजक ने बताया कि प्रस्तावित अनंतिम दर अनुविभागीय अधिकारी एवं उप पंजीयक बैतूल, मुलताई, भैंसदेही के कार्यालयों के सूचना पटल पर जनसाधारण के अवलोकन के लिए उपलब्ध है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध में कोई सुझाव प्रस्तुत करना हो तो तथ्यों सहित अध्यक्ष उप जिला मूल्यांकन समिति एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैतूल, मुलताई, भैंसदेही, शाहपुर के समक्ष 16 मार्च 2025 को सायं 4 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित दिनांक एवं समय पश्चात् प्राप्त सुझावों पर विचार नहीं किया जा सकेगा।

उन्नति का नि:शुल्क हुआ क्लेफ्ट लिप एंड पैलेट का ऑपरेशन

बैतूल। भैंसदेही तहसील के ग्राम बोरगांव डेम की उन्नति का राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत क्लेफ्ट लिप एण्ड पैलेट का निशुल्क ऑपरेशन हुआ है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रविकांत उइके ने बताया कि जिले की भैंसदेही तहसील के अंतर्गत ग्राम बोरगांव डेम में 6 सितम्बर 2023 को जन्मी उन्नति को जन्म से ही क्लेफ्ट लिप एण्ड पैलेट (कटे फटे होंठ एवं तालू) की समस्या थी। इस जन्मजात विकृति की पहचान आरबीएसके टीम द्वारा आगनवाडी केंद्र में स्क्रीनिंग के दौरान की गई। उन्नति के पिता संजू बारस्कर एवं माता श्रीमती संध्या बारस्कर उन्नति के चेहरे की विकृति एवं इलाज की चिंता करते थे। उन्नति के परिजन खेती कर जीविकोपार्जन करते हैं इसलिये इलाज में किया जाने वाला खर्च उन्हें सता रहा था। उनकी चिंता को दूर करते हुए राष्टीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत नि:शुल्क सर्जरी की जानकारी आरबीएसके टीम के डॉ. तुलसीराम तुमडाम एवं डॉ. ज्योति साबले द्वारा दी गई। उन्नति के परिजन निःशुल्क सर्जरी की बात पर विश्वास नहीं कर रहे थे। आरबीएसके टीम द्वारा उन्नति के माता-पिता सहित उनके दादा गंगाराम बारस्कर को भी को इस संबंध में समझाइश दी गई एवं जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र (डीईआईसी) जिला चिकित्सालय बैतूल रेफर किया गया। स्माइल टेन प्रोजेक्ट के अंतर्गत पाढर चिकित्सालय में 16 मार्च 2024 को भर्ती किया गया एवं 18 मार्च 2024 को उन्नति का कटे-फटे होंठ का ऑपरेशन किया गया एवं चिकित्सकों की सलाह अनुसार आयु बढने एवं पौष्टिक आहार लेने के उपरांत पाढर चिकित्सालय में 29 जनवरी 2025 को पुनः भर्ती कराया गया एवं 30 जनवरी 2025 को उन्नति के फटे तालू की नि:शुल्क सर्जरी करवायी गयी। आरबीएसके टीम द्वारा उन्नति के फॉलोअप में वह पूर्णतः स्वस्थ पायी गई।

जुआ फड़ पर कार्यवाही, 10 लाख का माल जब्त, 8 जुआरी गिरफ्तार, तीन फरार

बैतूल। आमला पुलिस ने जुआ फड पर कार्रवाही करते हुए 8 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 10 लाख रुपयों का सामान जब्त किया गया है। मुखबिर की सूचना पर आमला पुलिस ने देवठान गांव में ससुन्द्रा डेम के पास मुन्ना सोलंकी के खेत के जंगल में छापा मारा। यहां से 71,150 रुपए की नकदी, एक ताश की गड्डी, तीन मोटरसाइकिल और एक स्विफ्ट डिजायर कार जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में बैतूल के कमलेश उबनारे, पूरन वरकडे, पूनम सूर्यवंशी, अमित रैकवार, शिव जोगी, पवन ठाकरे और नासिर खान शामिल हैं। आमला के संतोष नरवरे को भी गिरफ्तार किया गया है। प्रवीण उर्फ गोलू राठौर, टेकचन्द आर्य और गब्बर सिकरवार मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में निरीक्षक सत्यप्रकाश सक्सेना, उपनिरीक्षक बलराम यादव, नितिन पटेल और अमित पवार की विशेष भूमिका रही।

एम्बुलेंस ने तीन साल के बच्चे को मारी टक्कर, मौत

बैतूल। मुलताई में हाईवे पर दौड़ रहा तीन साल का बच्चा एम्बुलेंस की चपेट में आ गया। बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। एम्बुलेंस चालक मौके से फरार हो गया। घटना मंगलवार दोपहर करीब 1.30 बजे ग्राम भिलाई के नायक पेट्रोल पंप के सामने की है। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि बच्चे के पिता सामने पेट्रोल पंप की ओर जा रहे हैं। इसी बीच वह सडक़ किनारे खड़ी मां का हाथ छुड़ाकर हाईवे की तरफ दौड़ा। 2 सेकंड में तेज रफ्तार एम्बुलेंस उसे टक्कर मारती हुई निकल गई। जानकारी के अनुसार, खड़आमला के रहने वाले मुनिराज हारोडे, पत्नी संगीता को एनस स्कूल में छोडऩे जा रहे थे। संगीता स्कूल में टीचर हैं। उनके साथ 3 साल का बेटा अक्षित भी था। पेट्रोल पंप पर मुनिराज ने पत्नी और बच्चे को बाहर उतारा। वे पेट्रोल डलवाने अंदर गए। इसी दौरान अक्षित अपनी मां संगीता का हाथ छुड़ाकर सडक़ पर दौड़ पड़ा। एम्बुलेंस की टक्कर से बच्चे के सिर में गंभीर चोट आई। एक राहगीर ने तुरंत उसे सरकारी अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एचडीएफसी बैंक घोटाले में एक और नया खुलासा, गंज थाने में मामला दर्ज

पीड़ित उपभोक्ता ऋषी सोलंकी ने एसपी से की शिकायत

बैतूल। एचडीएफसी बैंक, गंज शाखा बैतूल में लगातार सामने आ रहे धोखाधड़ी के मामलों के कारण ग्राहकों में डर और गुस्सा बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को एक नया मामला सामने आया जहां एक ग्राहक के खाते से बिना अनुमति 6.5 लाख रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ऋषी सोलंकी ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर इस धोखाधड़ी की जांच की मांग की है। शिकायत के बाद गंज थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। शिकायत आवेदन के अनुसार ऋषी सोलंकी का खाता एचडीएफसी बैंक की गंज शाखा बैतूल में संचालित है। उन्होंने बैंक में एफडी कराने के लिए दो चेक जमा किए थे, लेकिन उन्हीं चेकों से लाखों रुपये की निकासी कर ली गई। सात सितंबर 2024 को चेक क्रमांक 000003 के माध्यम से चार लाख रुपये और दस सितंबर 2024 को चेक क्रमांक 000004 के माध्यम से दो लाख पचास हजार रुपये खाते से निकाल लिए गए। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ऋषी सोलंकी ने किसी के नाम से कोई चेक जारी नहीं किया और न ही उन्होंने खुद बैंक से यह रकम निकाली, फिर भी उनके खाते से बड़ी धनराशि निकल गई। जब ऋषी सोलंकी ने बैंक प्रबंधन से जवाब मांगा तो उन्हें किसी भी तरह की मदद नहीं मिली। बैंक मैनेजर से लेकर अन्य अधिकारी तक कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे हैं। न ही यह स्पष्ट किया जा रहा है कि यह राशि किसके द्वारा निकाली गई और न ही बैंक प्रबंधन द्वारा सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराई जा रही है। इस लापरवाही से साफ है कि बैंक में किसी बड़े घोटाले की आशंका है, जिसमें ग्राहकों के पैसों से हेराफेरी की जा रही है। ऋषी सोलंकी ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि इस मामले की गहन जांच की जाए और उन्हें उनके चेक क्रमांक 000003 और 000004 की सत्यापित प्रति बैंक से उपलब्ध करवाई जाए।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 दं.प्र.स.)

पुलिस थाना गोविंदपुरा जिला- भोपाल (म.प्र.) द्वारा मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि, अभियुक्त शैलेन्द्र मीणा पुत्र घनश्याम मीणा, निसासी-एक्सेल स्टेट मिसरोद, भोपाल म.प्र. (नाम, वर्णन एवं पता) ने भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 420, 467,468,469, 471, 34 की अधीन अपराध किया है। अभियुक्त शैलेन्द्र ने सभी ज्ञात पतों पर तलाशी के उपरांत भी आरोपी शैलेन्द्र को गिरफ्तार नहीं किया जा सका व फरारा है।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि शैलेन्द्र मीणा पुत्र घनश्याम मीणा, निसासी-एक्सेल स्टेट मिसरोद, भोपाल म.प्र. को इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए प्रातः 11.00 बजे हाजिर हो।

(कर्नल सिंह श्याम)
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी
जिला न्यायालय, भोपाल (म.प्र.)

गृह मंत्री का दायित्व निभा रहे मोहन यादव के राज में कानून-व्यवस्था ध्वस्त : चौधरी

यादव जी जिस तरह की कार्यशैली आपकी है, भाजपा ही आपको तीन साल से पहले हटवा देगी : जीतू पटवारी

भोपाल/ उज्जैन। उज्जैन में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुये मप्र प्रभारी विधायक हरीश चौधरी ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। मुख्यमंत्री स्वयं गृहमंत्री का दायित्व संभाल रहे हैं लेकिन उनसे वह दायित्व संभल नहीं रहा है। महाकाल की नगरी में लोग दबंगों, भाजपाईयों का आतंक, भय और अत्याचार झेल रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने आज उज्जैन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के राज में महिलाएं, युवा, किसान और हर वर्ग परेशान है। उन्होंने कहा कि मोहन यादव जी अगर आपकी कार्यशाली ऐसी ही रही तो प्रदेश की जनता तो ठीक भाजपा के लोग ही आपको तीन साल के पहले मुख्यमंत्री पद से विदा कर देंगे। उज्जैन में जो जमीनों को कब्जा आपके द्वारा छीना जा रहा है, प्रदेश भर में किसानों को परेशान किया जा रहा है उज्जैन ही नहीं प्रदेश की जनता भय, आतंक और अत्याचार के साये में जी रही है।

श्री पटवारी ने उज्जैन में आयोजित जनसभा में कहा कि उज्जैन में ही पीड़ितों के साथ मुख्यमंत्री और भाजपा के लोग अत्याचार कर रहे हैं। पीड़ितों को डराने-धमकाने का काम किया जा रहा है। एक पीड़ित परिवार और बिना कारण एक बच्ची के पैर में पलास्टर बांधकर उसका 20 लाख रूपये का खर्चा उज्जैन की एक अस्पताल द्वारा वसूली गया। मुख्यमंत्री के पास 1000 करोड़ का स्वेच्छा अनुदान होने के बाद भी मुख्यमंत्री ने अपने क्षेत्र की बच्ची की कोई सुध नहीं ली और बच्ची के इलाज के लिए उसके परिजनों के 20 लाख रुपया इलाज के लग गए।

श्री पटवारी ने कहा कि वहीं एक महिला के पति की चार लोगों ने मिलकर हत्या कर दी और मामले में पुलिस द्वारा केवल एक व्यक्ति का नाम दर्ज कराया गया। मोहन यादव जी आप प्रदेश के गृहमंत्री हैं और उज्जैन आपका क्षेत्र है जब उज्जैन में ही सबसे ज्यादा बलात्कार हो रहा है सबसे ज्यादा बहने यहां से गायब हो रही है और मुख्यमंत्री जी गृहमंत्री का कोई दायित्व नहीं निभा पा रहे हैं। उन्होंने सवाल करते हुये कहा कि मुख्यमंत्री इन घटनाओं के खिलाफ कांग्रेस का कार्यकर्ता आवाज नहीं उठाएगा तो कौन उठेगायेगा?

श्री पटवारी ने कहा कि गूगल में अगर सर्च किया जाए तो पता पड़ेगा कि हमारा प्रदेश कितना कलंकित हो रहा है, मोहन यादव जी आप मुख्यमंत्री बने रहे, हम सकारात्मक विपक्ष की भूमिका उठाएंगे। मुख्यमंत्री जी जिस तरीके का कार्य व्यवहार आपका है तो बीजेपी ही आपको 5 साल पूरा नहीं करने देगी। उज्जैन की जमीन छीन रहे हैं उसकी में निंदा करता हूं और कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ खड़ी है।

उज्जैन में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में मप्र प्रभारी हरीश चौधरी, मनोहर बैरागी, सचिव संजय दत्त, विधायक महेश परमार, महामंत्री अमित शर्मा सहित जिला कांग्रेस अध्यक्ष, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

भोपाल स्टेशन पर 'किलाबंदी' टिकट चेकिंग

287 यात्री पकड़े गए, 1.40 लाख जुर्माना वसूला

भोपाल। मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया के निर्देशन में भोपाल मंडल द्वारा अधिकृत यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने तथा रेल राजस्व में वृद्धि करने हेतु सतत प्रयास किये जा रहे है ।

इसी क्रम में आज दिनांक 11.03.2025 को भोपाल स्टेशन पर एक साथ सुबह 06 बजे से दोपहर 02 बजे तक वाणिज्य विभाग के 02 पर्यवेक्षक श्री अरुण श्रीवास्तव एवं श्री सुनील वर्गीस,20 टिकट चेकिंग स्टाफ के सहयोग से किलाबन्दी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। पर्यवेक्षक टिकट चेकिंग स्टॉफ की निगरानी में चलाये गए इस टिकट चेकिंग अभियान के दौरान स्टेशन के बाहर निकलने वाले रास्ते की घेराबंदी की गई, ताकि कोई भी यात्री बिना जाँच के स्टेशन के बाहर न जा सकें।

इस किला बन्दी टिकट चेकिंग अभियान के दौरान स्टेशनों पर आने-जाने वाली कुल 19 गाड़ियों के यात्रियों के टिकट की जांच की गई। जांच के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले कुल 105 यात्री पकड़े गए, जिनसे रुपये 58,990/- बतौर किराया/जुर्माना वसूला किया गया। अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले कुल 168 यात्री पाए गए, जिनसे रुपये 78,550/- बतौर जुर्माना/किराया वसूल किया गया। बिना बुक कराए सामान लेकर यात्रा कर रहे एवं स्टेशन पर गंदगी फैलाते हुए 14 यात्री पाए गए, जिनसे रुपये 2600/- बतौर जुर्माना/किराया वसूलने के साथ ही यात्रियों को उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने एवं गंदगी ना करने की समझाईश दी गई।

इस प्रकार इस क़िलाबन्दी टिकट चेकिंग अभियान के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट, बिना बुक कराए समान लेकर यात्रा करते पाए गए यात्रियों के पकड़े गए कुल 287 मामलों से कुल रुपये 1,40,140/- का रेल राजस्व प्राप्त हुआ।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक श्री सौरभ कटारिया नें बताया कि यह अभियान यह सुनिश्चित करने के लिए चलाया गया कि सभी यात्री उचित टिकट के साथ यात्रा करें। अनियमित यात्राओं को रोकने से जहां रेल राजस्व में वृद्धि होती है, वहीं यह यात्रियों के लिए सुगम, सुरक्षित और स्वच्छ यात्रा सुनिश्चित करता है। साथ ही उन्होंने यात्रियों से अपील की है कि उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें 7 प्रतिक्षा सूची ई-टिकट एवं प्लेटफार्म टिकट पर यात्रा करने की अनुमति नहीं है। प्लेटफॉर्म पर प्रवेश के लिए यात्रा टिकट या प्लेटफॉर्म टिकट होना आवश्यक है। यात्री IRCTC वेबसाइट/एप एवं TS एप का उपयोग कर स्वयं भी टिकट बुक कर सकते है।

मंत्री सारंग आज करेंगे सहकारिता विभाग में 25 अनुकंपा नियुक्ति पत्रों का वितरण

ई-पेक्स के लिए एक दिवसीय हैंड्स ऑन रिफ्रेशर प्रशिक्षण सह संवेदीकरण कार्यक्रम 12 मार्च को

भोपाल। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग बुधवार 12 मार्च को अपेक्स बैंक परिसर के समन्वय भवन में सहकारिता विभाग में 25 कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति-पत्र सौंपेंगे। मंत्री श्री सारंग इसी के साथ ई-पेक्स के लिए एक दिवसीय हैंड्स ऑन रिफ्रेशर प्रशिक्षण सह संवेदीकरण कार्यक्रम के आयोजन का शुभारंभ भी करेंगे। प्रशिक्षण में सहकारिता विभाग, जिला बैंक एवं पेक्स के लगभग 650 प्रतिभागी शामिल होंगे।

सहकारिता विभाग में कार्यरत विभिन्न कर्मचारियों के आकस्मिक देहावसान के बाद उनके आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने के लिये मंत्री श्री सारंग के निर्देशन में एक अभियान के रूप में कार्रवाही प्रारंभ की गई है। इन सभी कर्मचारियों के दस्तावेजों को बुलाकर समय सीमा में उनका सत्यापन करा लिया गया है। विभाग के विभिन्न जिलों में रिक्त पदों पर सहायक ग्रेड-3 के ऐसे कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदाय की जा रही है। मंत्री श्री सारंग अनुकंपा नियुक्ति के 25 आदेश प्रदान करेंगे। इससे विभाग में अनुकंपा नियुक्ति के सभी पात्र प्रकरणों का निराकरण हो जायेगा और विभाग में सहायक ग्रेड-3 के रिक्त पदों की पूर्ति भी हो जायेगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि राज्य शासन कर्मचारियों के हितों को लेकर संवेदनशील है।

खाटू श्याम मंदिर पर ग्यारस पर किया गया फाग उत्सव का आयोजन

हजारों की संख्या में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

सीहोर नप्र । सीहोर भोपाल बाईपास स्थित खाटूश्याम मंदिर पर ग्यारस पे भव्य फाग उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें हज़ारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पोहोचकर बाबा खाटूश्यामजी के साथ फूल और गुलाल की होली खेली एवं प्रसादी ग्रहण की जानकारी देते हुए खाटूश्याम मंदिर के संस्थापक ऋषि सोलंकी ने बताया कि हर ग्यारस पर प्रसादी एवं कोई ना कोई धार्मिक आयोजन मंदिर पर रखे जाते है इसी तारतम्य में आगामी होली के पर्व को लेकर इस ग्यारस पर भी मंदिर पर फाग उत्सव का आयोजन रखा गया था इस अवसर पर बाबा का आलोकिक शृंगार किया गया था एवं नि:शुल्क प्रसादी का वितरण किया गया था फाग उत्सव के दोरान हज़ारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा के साथ फूल और गुलाल की होली खेली एवं दर्शन कर धर्म लाभ अर्जित कर प्रसादी ग्रहण की ।

एम्स भोपाल में आयोजित होगा एडवांस्ड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में संस्थान में एडवांस्ड ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट कोर्स का आयोजन 4 से 6 अप्रैल तक किया जाएगा। यह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉक्टरों को ट्रॉमा के रोगियों को प्रभावी आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आजकल सड़क दुर्घटनाओं और ट्रॉमा के मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यदि समय रहते प्रशिक्षित डॉक्टर द्वारा इलाज किया जाए, तो मरीजों की जान बचाई जा सकती है। इस कोर्स में डॉक्टरों को ट्रॉमा प्रबंधन के मूल सिद्धांतों, आपातकालीन देखभाल और उन्नत जीवन समर्थन तकनीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही, उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा ताकि वे वास्तविक परिस्थितियों में अपने कौशल का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें। प्रो. सिंह ने इस कोर्स के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, ट्रॉमा प्रबंधन आपातकालीन चिकित्सा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एम्स भोपाल में आयोजित एटीएलएस कोर्स डॉक्टरों को आवश्यक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। यह प्रशिक्षण उन्हें आपातकालीन स्थितियों में तत्काल और प्रभावी चिकित्सा सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाएगा, जिससे रोगियों के बचने की संभावना बढ़ेगी।

पशुओं की चिकित्सा के लिए वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियां भी आवश्यक : पटेल

पशुओं की वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति पर हुई दो दिवसीय कार्यशाला

भोपाल (नप्र)। पशु पालन एवं डेयरी राज्यमंत्री, स्वतंत्र प्रभार श्री लखन पटेल ने कहा है कि पशुओं की बीमारियों के समुचित इलाज के लिए वैकल्पिक पशु चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग भी आवश्यक है। वर्तमान में आधुनिक चिकित्सा पद्धति के कारण मनुष्यों एवं पशुओं में जीवाणु रोधी दवाइयां के प्रति प्रतिरोधकता का बढ़ना महामारी का रूप ले रहा है, जो एक भयानक वैश्विक खतरा बनता जा रहा है। आधुनिक चिकित्सा पद्धति से एवं एंटीबॉयोटिक के दुरुपयोग से इसका दुष्प्रभाव मनुष्य एवं पशुओं में देखा जा रहा है, जिसके कारण एएमआर (एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस) की वैश्विक समस्या उत्पन्न हो गई है। अल्टरनेट वेटरिनरी प्रैक्टिस जैसे आयुर्वेद, होम्योपैथी, पारंपरिक चिकित्सा, यूनानी चिकित्सा इत्यादि का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है, जिससे कम खर्च पर आसानी से पशुओं की बिना किसी दुष्प्रभाव के चिकित्सा की जा सकती है।

पशु पालन राज्यमंत्री श्री पटेल ने मंगलवार को होटल पलाश रेसीडेंसी में पशुओं की वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश श्री महेंद्र सिंह, दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के श्री अभय महाजन, अध्यक्ष, वेटनरी काउंसिल ऑफ इंडिया डॉ. उमेशचंद शर्मा, संचालक, पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पी एस पटेल आदि उपस्थित थे। कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 13 विषय विशेषज्ञ और लगभग 100 से अधिक विभागीय अधिकारी शामिल हुए।

पशु पालन राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि भारत में आदिकाल से पारंपरिक एवं वैकल्पिक पशु चिकित्सा पद्धति का उपयोग किया जाता था, जिसे पुनः पशुओं की चिकित्सा में बढ़ावा देने एवं जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दो दिवसीय इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के विचार मंथन से पशु चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुझाव आयेंगे।

सुरखी विधानसभा के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करेंगे

मंत्री कप क्रिकेट महाकुंभ -फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब बना राहतगढ़ मंडल का चैंपियन

भोपाल (नप्र)। सागर जिले की सुरखी विधानसभा में चल रहे मंत्री कप क्रिकेट महाकुंभ के तहत मंगलवार को राहतगढ़ मंडल के सरदार वल्लभ भाई पटेल स्टेडियम में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब राहतगढ़ और झिला आर.डी.एक्स. क्रिकेट क्लब के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबला खेला गया। इस मैच में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब राहतगढ़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच के दौरान स्टेडियम में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मंत्री श्री राजपूत ने विजेता टीम को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार प्रदान किया। इसके अलावा, मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सीरीज के पुरस्कार भी वितरित किए गए।इस भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सागर कलेक्टर संदीप जी.आर. और पुलिस अधीक्षक विकास कुमार सहवाल उपस्थित रहे।

होली पर्व पर पश्चिम मध्य रेलवे से चल रही स्पेशल ट्रेनें

भोपाल । रेल प्रशासन द्वारा होली त्यौहार में अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे से होकर भी कई स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। रेलयात्री किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केन्द्र या ऑनलाइन आईआरसीटीसी वेबसाइट से इस होली स्पेशल ट्रेनों के आरक्षण सुविधा का लाभ उठा सकते है। स्पेशल ट्रेनों की संक्षिप्त जानकारी निम्न है।

1) गाड़ी संख्या 02186/02185 रीवा-रानी कमलपति-रीवा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन- गाड़ी 02186 रीवा से रानी कमलपति स्पेशल ट्रेन आगामी 12 मार्च 2025 को रीवा से दोपहर 12:30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात में 21:10 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 02185 रानी कमलापति से रीवा स्पेशल ट्रेन आगामी 12 मार्च 2025 को रानी कमलापति स्टेशन से रात 22:15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 07:30 बजे रीवा स्टेशन पहुँचेगी।

2) गाड़ी संख्या 01704/01703 रीवा-रानी कमलपति-रीवा स्पेशल ट्रेन- गाड़ी 01704 रीवा से रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन 16 मार्च 2025 को रीवा से सायं 18:45 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन भोर में 04:30 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 01703 रानी कमलापति से रीवा स्पेशल ट्रेन 17 मार्च 2025 को रानी कमलापति स्टेशन से सुबह 06:15 बजे प्रस्थान कर उसी दिन सायं 17:10 बजे रीवा स्टेशन पहुँचेगी।

3) गाड़ी संख्या 01705/01706 जबलपुर-दानापुर-जबलपुर स्पेशल ट्रेन- गाड़ी 01705 जबलपुर से दानापुर स्पेशल ट्रेन 11 मार्च 2025 को जबलपुर से रात 19:40 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 08:45 बजे दानापुर स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 01706 दानापुर से जबलपुर स्पेशल ट्रेन 12 मार्च 2025 को दानापुर स्टेशन से सुबह 11:45 बजे प्रस्थान कर अगले दिन भोर 03:40 बजे जबलपुर स्टेशन पहुँचेगी।

4) गाड़ी संख्या 09817/09818 कोटा-दानापुर-कोटा स्पेशल ट्रेन- गाड़ी 09817 कोटा से दानापुर स्पेशल ट्रेन आगामी 15 मार्च 2025 को कोटा से रात 21:05 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सायं 18:30 बजे दानापुर स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 09818 दानापुर से कोटा स्पेशल ट्रेन आगामी 16 मार्च 2025 को दानापुर स्टेशन से रात 21:15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रात्रि 22:25 बजे कोटा स्टेशन पहुँचेगी।

5) गाड़ी संख्या 01663/01662 रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन- गाड़ी 01663 रानी कमलापति से दानापुर स्पेशल ट्रेन 12 एवं 15 मार्च 2025 को रानी कमलापति से दोपहर 14:25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 08:45 बजे दानापुर स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 01662 दानापुर से रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन 13 एवं 16 मार्च 2025 को दानापुर स्टेशन से सुबह 11:45 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 09:50 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुँचेगी।

6) गाड़ी संख्या 01707/01708 जबलपुर-आनन्द विहार टर्मिनल-जबलपुर स्पेशल ट्रेन- गाड़ी संख्या 01707 जबलपुर से आनन्द विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन आगामी 12 एवं 15 मार्च 2025 को जबलपुर से रात 20:20 बजे प्रस्थान कर, दूसरे दिन सायं 16:45 बजे आनन्द विहार टर्मिनल स्टेशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01708 आनन्द विहार टर्मिनल से जबलपुर स्पेशल ट्रेन आगामी 13 एवं 16 मार्च 2025 को आनन्द विहार टर्मिनल स्टेशन से सायं 18:05 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन सुबह 10:00 बजे जबलपुर स्टेशन पहुँचेगी।

7) गाड़ी संख्या 02981/02982 सोगरिया-हजरत निजामुद्दीन-सोगरिया होली स्पेशल ट्रेन- गाड़ी सं 02981 सोगरिया से हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन आगामी 13 एवं 15 मार्च 2025 को सोगरिया स्टेशन से रात 21:00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन भोर 04:55 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 02982 हजरत निजामुद्दीन से सोगरिया आगामी 14 एवं 16 मार्च 2025 को हज़रत निजामुद्दीन से सुबह 06:00 बजे प्रस्थान कर, दोपहर 13:10 बजे सोगरिया पहुँचेगी।

रेल यात्रियों से अनुरोध है कि स्पेशल ट्रेनों की विस्तृत जानकारी रेलवे स्टेशन, रेल मदद 139 एवं वेबसाइट ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

एम्स भोपाल ने मनाया वर्ल्ड हियरिंग डे

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में ईएनटी विभाग (हेड एवं नेक सर्जरी) द्वारा विश्व श्रवण दिवस 2025 का आयोजन किया गया। इस वर्ष का विषय सोच बदलें, अपने आप को सशक्त बनाएं ताकि कान और श्रवण देखभाल सभी के लिए वास्तविकता बने! था, जिसका उद्देश्य श्रवण हानि की रोकथाम, शीघ्र पहचान, और पुनर्स्थापन की संभावनाओं पर जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. डॉ. अपर्णा चव्हाण, विभागाध्यक्ष द्वारा उद्घाटन संबोधन के साथ हुई। उन्होंने श्रवण स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए व्यवहार में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि तेज़ ध्वनि के संपर्क से बचाव, नियमित श्रवण परीक्षण और श्रवण यंत्रों के उपयोग से श्रवण बाधित व्यक्तियों का जीवन बेहतर बनाया जा सकता है। इसके बाद, प्रो. डॉ. विकास गुप्ता ने कोक्लियर इम्प्लांटेशन पर एक जानकारीपूर्ण जागरूकता सत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह क्रांतिकारी प्रक्रिया कैसे सुनने में असमर्थ बच्चों के जीवन को बदल सकती है। उनका व्याख्यान उपस्थित लोगों के लिए श्रवण पुनर्स्थापन में नवीनतम प्रगति की जानकारी लेकर आया। इस कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायक क्षण कोक्लियर इम्प्लांट प्राप्त बच्चों का सांस्कृतिक प्रदर्शन रहा। उनकी प्रस्तुति ने यह दर्शाया कि श्रवण पुनर्स्थापन से जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है।

प्रो. सिंह ने कोक्लियर इम्प्लांट प्राप्त बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की और इस कार्यक्रम की सफलता के लिए विभाग को बधाई दी। उन्होंने श्रवण हानि से प्रभावित व्यक्तियों के लिए शीघ्र हस्तक्षेप और व्यापक समर्थन की महत्ता पर प्रकाश डाला। प्रो. सिंह ने कहा, शीघ्र पहचान और समय पर हस्तक्षेप से श्रवण बाधित व्यक्तियों के जीवन में महत्वपूर्ण सुधार लाया जा सकता है। एम्स भोपाल विश्वस्तरीय उपचार प्रदान करने और श्रवण स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रकार के आयोजन लोगों की सोच में बदलाव लाने और सभी के लिए सुलभ श्रवण देखभाल की आवश्यकता को सुदृढ़ करने में सहायक होते हैं।

॥ मंदिरम् ॥ 56

तारकेश्वर मंदिर, कर्नाटक

तारकेश्वर मंदिर एक हिंदू मंदिर परिसर है जो भगवान शिव को तारकेश्वर के रूपमें समर्पित है जो भारत के कर्नाटक के हंगल में स्थित है। इसमें शिव के वाहन, नंदी और उनके पुत्र गणेश को समर्पित एक मंदिर भी है। यह परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा सूचीबद्ध स्मारक है। इसमें तीन स्मारक पत्थर भी हैं जोधार्मिक और सैन्य दृश्यों को दर्शाते हैं और उन पर कन्नड़ पाठ लिखा हुआ है। इसके अष्टकोणीय हॉल की छत पर 6 मीटर (20 फुट) व्यास का कमल कानक्काशीदार फूल है। मंदिर का नाम भगवान शिव के तारकेश्वर रूप से लिया गया है। हालाँकि इस मंदिर के निर्माण का श्रेय कदंबों को जाता है , लेकिन कल्याणी चालुक्यों ने ही इसे आज के रूप में बनाने के लिए महत्वपूर्ण बदलाव किए थे। इसमें तीन स्मारक पत्थर भी हैं जो धार्मिक और सैन्य दृश्यों को दर्शाते हैं और उन पर कन्नड़ पाठ लिखा हुआ है। इसके अष्टकोणीय हॉल की छत पर 6 मीटर (20 फुट) व्यास का कमल का फूल उकेरा गया है।

विधानसभा में 9206 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पेश

गेहूं खरीदी के लिए 2 हजार करोड़ का प्रावधान

भोपाल (नप्र)। विधानसभा में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा पेश किए गए 19206 करोड़ 79 लाख 529 रुपए के दूसरे अनुपूरक बजट में मंत्रियों के बंगलों की सजावट का सरकार ने विशेष ध्यान रखा है। इस अनुपूरक बजट में शासकीय आवासों की मरम्मत के लिए 205 करोड़ रुपए बजट में तय किए गए हैं। मंत्रियों के आवासों की सजावट पर 5 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

इसके अलावा सिंचाई परियोजनाओं के लिए एक हजार करोड़ और गेहूं खरीदी के लिए 2 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान अनुपूरक बजट में किया गया है। योजना आर्थिक और सांख्यिकी विभाग द्वारा स्टेट सपोर्ट मिशन के लिए बजट में राशि तय की गई है। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत सिंचाई परियोजनाओं, नहरों के निर्माण और मरम्मत के लिए दूसरे अनुपूरक बजट में एक हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

● मंत्रियों के बंगलों-सरकारी आवास के लिए 205 करोड़ तय

किस योजना के लिए कितने बजट का प्रावधान

- औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन योजना के लिए 726 करोड़ रुपए।
- अटल गृह ज्योति योजना के लिए 622.4484 करोड़ रुपए।
- खाद्य विभाग के उपार्जन के लिए 2000 करोड़ रुपए।
- एमएसएमई प्रोत्साहन व्यवसाय निवेश संवर्धन के लिए 1075.80 करोड़ रुपए।
- वन विभाग के वानिकी और वन्य जीव के विकास के लिए 293 करोड़ रुपए।
- वन्य जीव पर्यावास का समन्वय व विकास के लिए 35.72 करोड़ रुपए।
- सहकारी बैंकों से किसानों को अल्पकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान के लिए 34.50 करोड़ रुपए।

मंत्री बंगलों-सरकारी आवासों के लिए इतना प्रावधान

- मंत्रियों के बंगलों की साज सज्जा-रखरखाव के लिए पांच करोड़ रुपए।
- एफ टाइप उच्च श्रेणी आवास, गैर आवासीय भवनों की मरम्मत के लिए 50 करोड़।
- अन्य कैटेगरी के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- विशेष मरम्मत के लिए 25 करोड़ रुपए अलग से मांगे गए हैं।
- विश्राम भवन, गृह निर्माण अंतर्गत सात करोड़, शासकीय आवास गृहों के निर्माण के लिए 35 करोड़ रुपए का प्रावधान।

- बिजली कंपनियों को अलग-अलग मद में इतना भुगतान
- अटल कृषि ज्योति योजना में सब्सिडी के रूप में कंपनियों को भुगतान के लिए 1991.7824 करोड़ रुपए की पूर्ति तय की है।
- टैरिफ मद अनुदान के लिए 131.5435 करोड़।
- अटल गृह ज्योति योजना (अनुसूचित जाति सब स्कीम) के लिए 234.6936 करोड़।
- एससी वर्ग को निशुल्क 5 हार्स पावर कृषि पंप, थ्रेसर, एक बत्ती कनेक्शन की प्रतिपूर्ति के लिए 386.0827 करोड़ रुपए।
- अनुसूचित जनजाति उप योजना में टैरिफ अनुदान के लिए 49.5984 करोड़ रुपए। ● अटल गृह ज्योति (एससी उपयोजना) के अंतर्गत बिजली बोर्डों को 163.2651 करोड़ रुपए।
- अनुसूचित जाति वर्ग के लिए पांच एचपी के कृषि पंप, थ्रेसर और एक बत्ती नि:शुल्क कनेक्शन प्रतिपूर्ति के लिए 386.0827 करोड़।

बजट खर्च का विवरण सार्वजनिक करे सरकार

कांग्रेस ने बजट खर्च पर उठाए सवाल, कहा- ज्यादातर पैसा खर्च ही नहीं किया जाता

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस नेता अभय दुबे और मुकेश नायक ने मंगलवार को कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार मध्य प्रदेश के समावेशी और अधोसंरचना विकास में लगातार रुकावट डाल रही है। उनका कहना है कि सरकार केवल सुर्खियां बटोरने के लिए बजट की बड़ी-बड़ी घोषणाएं करती है, लेकिन असल में वह बजट खर्च नहीं करती, जिससे प्रदेश के विकास पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

कांग्रेस ने सरकार से की श्वेतपत्र की मांग- कांग्रेस ने प्रदेश सरकार से अपील की है कि वह पिछले तीन साल के बजट के खर्च का विवरण सार्वजनिक करें और बताए कि समावेशी विकास और अधोसंरचना के लिए कितनी राशि खर्च की गई है और कितना नुकसान हुआ है। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार अवास्तविक प्रस्तावों के आधार पर बजट का आवंटन करती है, जिसके कारण बजट खर्च की निगरानी प्रणाली कमजोर है।

2024-25 के बजट की स्थिति- कांग्रेस ने बताया कि 11 मार्च 2025 तक मध्य प्रदेश का कुल बजट प्रावधान 385924.09 करोड़ रुपए था, जिसमें से केवल 238025.98 करोड़ रुपए यानी 61.60 प्रतिशत ही खर्च किए गए हैं।

इसके कारण राज्य के समावेशी विकास और अधोसंरचना विकास पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

- आदिवासी विभाग में 13024 करोड़ रुपए में से 9942 करोड़ रुपए (76 प्रतिशत) खर्च किए गए।
- पंचायत विभाग में 10344.62 करोड़ रुपए में से 5795.86 करोड़ रुपए (56 प्रतिशत) खर्च हुए।
- जल संसाधन विभाग में 10117.09 करोड़ रुपए में से 7382.05 करोड़ रुपए खर्च किए गए।
- अनुसूचित जाति विकास विभाग में 2253.48 करोड़ रुपए में से 1307.97 करोड़ रुपए (58 प्रतिशत) खर्च किए गए।
- शहरी विकास विभाग में 17474.42 करोड़ रुपए में से 12276 करोड़ रुपए (70 प्रतिशत) खर्च हुए।

केंद्र से मिली राशि केवल 50.82 प्रतिशत- कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार से राज्य को केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत मिलने वाली राशि की 50.82 प्रतिशत ही प्राप्त हुई है। 2024-25 में केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं में 54989.12 करोड़ रुपए का खर्च प्रावधान था, जिसमें से राज्य को 17336.37 करोड़ रुपए मिलना था, लेकिन केंद्र से अब तक केवल 19136.65 करोड़ रुपए यानी 50.82 प्रतिशत राशि ही मिली है।

कैग रिपोर्ट में उठाए गए सवाल

कैग (कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल) ने अपनी 2024 की रिपोर्ट में भी बजट के प्रबंधन पर सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने अवास्तविक प्रस्तावों के आधार पर बजट का आवंटन किया और खर्च की निगरानी प्रणाली में कमजोरियां पाई गईं।

पिछले सालों में भी खर्च नहीं किया गया बजट

2022-23 के बजट में भी 39786 करोड़ रुपए खर्च नहीं किए गए थे, जिसमें से 19 हजार करोड़ रुपए आखिरी दिन सरेंडर किए गए और 19 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि लैप्स हो गई।

कांग्रेस ने इन आंकड़ों के आधार पर प्रदेश सरकार से जवाबदेही की मांग की और यह कहा कि अगर सरकार विकास की दिशा में गंभीर है, तो उसे अपने खर्च को पारदर्शी तरीके से दिखाना चाहिए।

एमपी की 4 धरोहर, यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में

चौसठ योगिनी मंदिर, अशोक के शिलालेख को मिली वैश्विक पहचान, 18 हुई संख्या

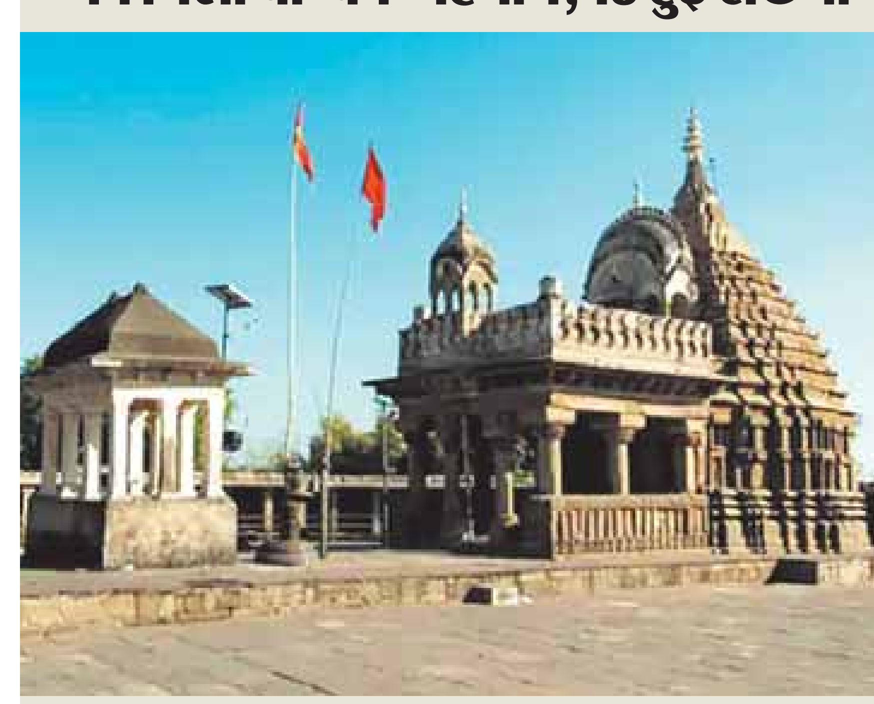

भोपाल (नप्र)। यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) ने मध्यप्रदेश की चार ऐतिहासिक धरोहरों को सीरियल नॉमिनेशन के तहत टेंटेटिव लिस्ट में शामिल किया है। ये धरोहर- सम्राट अशोक के शिलालेख, चौसठ योगिनी मंदिर, गुप्त कालीन मंदिर और बुंदेला शासकों के महल-किले हैं। लिस्ट में शामिल होने से इन्हें वैश्विक पहचान मिली है। दुनियाभर के टूरिस्ट इन जगहों पर घूमने आ सकेंगे। पिछले साल भी यूनेस्को ने प्रदेश की 6 धरोहरों, ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खूनी भंडारा, चंबल घाटी के शैल कला स्थल, भोजपुर का भोजेश्वर महादेव मंदिर, मंडला स्थित रामनगर के गौंड स्मारक और धमनार के ऐतिहासिक समूह को टेंटेटिव लिस्ट में शामिल किया था। सीएम डॉ. मोहन यादव ने इस पर खुशी जाहिर की है।

प्रदेश में अब यूनेस्को की 18 धरोहर

मध्यप्रदेश में अब यूनेस्को द्वारा घोषित धरोहर की संख्या 18 हो गई है। जिसमें से 3 स्थायी और 15 टेंटेटिव सूची में हैं।

यह उपलब्धि प्रदेश को विश्व पर्यटन के नए आयाम पर पहुंचाएगी : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, यह उपलब्धि मध्यप्रदेश को विश्व पर्यटन मानचित्र पर एक नए आयाम तक पहुंचाएगी और हमारे गौरवशाली अतीत को नई पहचान दिलाएगी।

लोकायुक्त ने हवलदार को रिश्वत लेते पकड़ा

आधार केंद्र संचालक से हवलदार किराए के नाम पर मांगी रिश्वत

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा कार्यालय में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। सागर लोकायुक्त की टीम ने मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे एक हवलदार को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी हवलदार सुरेंद्र राय ने कार्यालय परिसर में स्थित शासकीय आधार सेवा केंद्र के संचालक से किराए के नाम पर रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता मनीष तिवारी पिछले दो वर्षों से आधार केंद्र का संचालन कर रहे हैं।

किराए के नाम पर पैसे ले रहा था- मनीष के अनुसार, हवलदार शुरुआत से ही उनसे किराए के नाम पर पैसे लेता आ रहा था। पहले राशि कम थी, लेकिन अब मांग बढ़ने लगी। हवलदार ने कुल 6 हजार रुपए की मांग की थी। इसमें से 1 हजार रुपए 4 फरवरी को दिए जा चुके थे।

9 सदस्यीय टीम ने की कार्रवाई- सागर लोकायुक्त के टीआई अभिषेक वर्मा और केपीएस बेन के नेतृत्व में 9 सदस्यीय टीम ने कार्रवाई की। टीआई वर्मा ने बताया कि आरोपी हवलदार के खिलाफ धारा 7 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सतना में34 भैंसों के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, यूपी में बेचने ले जा रहे थे- सतना के कोठी थाना पुलिस ने 34 भैंसों से भरे एक ट्रक को पकड़ा है और तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। प्रशिक्षु आईपीएस और कोठी थाना प्रभारी मनीष भारद्वाज ने बताया कि 10-11 मार्च की रात को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सतना-चित्रकूट मार्ग पर एक ट्रक से भैंसों की तस्करी की जा रही है। पुलिस ने ट्रक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने ट्रक नहीं रोका और भागने लगा।

पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए भोपाल में सेमिनार

एंटीबायोटिक दवा के उपयोग-दुरुपयोग पर मंथन, मंत्री-एक्सपर्ट हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। पशुओं को बीमारियों से बचाने के तरीकों को लेकर मंगलवार को भोपाल में सेमिनार हुआ। इसमें मंत्री और एक्सपर्ट शामिल हुए। एक्सपर्ट के बीच एंटीबायोटिक दवा के उपयोग-दुरुपयोग समेत कई विषयों पर मंथन किया गया। पशु चिकित्सा में वैकल्पिक उपचार पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 11 मार्च से शुरू हो गई। यह कार्यशाला पशुपालन एवं डेयरी विभाग और मध्यप्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में हो रही है।

बिना किसी दुष्प्रभाव के इलाज संभव- कार्यशाला में बताया गया कि वर्तमान में एंटीबायोटिक दवाओं के अधिक प्रयोग से मनुष्यों और पशुओं में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ रही है। यह एक गंभीर वैश्विक समस्या बन गई है। इस समस्या के समाधान के लिए आयुर्वेद, होम्योपैथी, पारंपरिक चिकित्सा और यूनानी जैसी वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों का प्रयोग महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इन पद्धतियों से कम खर्च में और बिना किसी दुष्प्रभाव के पशुओं का इलाज संभव है।

इन विषयों पर मंथन

*एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग और दुरुपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करना।

*समग्र पशुधन विकास के लिए पारंपरिक पशु चिकित्सा पद्धति पर जोर देना।

*सुरक्षित और आर्थिक रूप से प्रभावी वैकल्पिक दवाओं के उपयोग को प्राथमिकता देना।

होली-रंगपंचमी को लेकर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, 3 सौ जवान हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। होली और रंगपंचमी को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने शहर में फ्लैग मार्च निकाला। मंगलवार शाम 4 बजे लाल परेड मैदान से फ्लैग मार्च प्रारंभ हुआ। पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र के नेतृत्व में 300 पुलिस जवानों ने हिस्सा लिया।

फ्लैग मार्च में 40 चार पहिया वाहनों के साथ आरएएफ, क्यूआरएफ, एसएएफ, थाना प्रभारी, यातायात पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने भाग लिया। फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य शहर में सुरक्षा का संदेश देना और असामाजिक तत्वों में भय पैदा करना था, जिससे नागरिक निर्भीक होकर अपने त्योहारों को मना सकें।

इन मार्गों से होकर गुजरा फ्लैग मार्च- फ्लैग मार्च लाल परेड मैदान से प्रारंभ होकर लिली टॉकीज तिराहा, जिंसी तिराहा, बोगदा पुल, प्रभात चौराहा, अशोक गार्डन, 80 फीट रोड, भारत टॉकीज ओवरब्रिज, संगम टॉकीज तिराहा, काली मंदिर, चार बत्ती चौराहा, रेत घाट, रॉयल मार्केट तिराहा, लालघाटी चौराहा होते हुए वापस लाल परेड ग्राउंड पर समाप्त हुआ।

फ्लैग मार्च में शामिल पुलिस अधिकारियों ने संवेदनशील इलाकों में स्थिति का जायजा लिया और सुरक्षा उपायों की समीक्षा की। इस दौरान पुलिस के रुद्र, वज्र, थाना मोबाइल, जिप्सी, और बस समेत अन्य वाहनों ने भी हिस्सा लिया।

त्योहारों पर रहेगी कड़ी निगरानी- पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र ने कहा कि भोपाल में शांति बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। होली, ईद और अन्य त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए पुलिस मुस्तैदी से तैनात रहेगी।

असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, ताकि आम नागरिक निश्चिंत होकर त्योहारों का आनंद ले सकें। भोपालवासियों ने पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना की और विश्वास जताया कि यह सुरक्षा उपाय आगामी त्योहारों को सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

सांईराम कॉलोनी से शराब दुकान शिफ्ट करने की मांग

भोपाल रेलवे स्टेशन रोड पर दुकान, रहवासी बोले-गलत हरकत करते हैं शराबी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के स्टेशन रोड स्थित सांई राम कॉलोनी सेमरा गेट से शराब की दुकान शिफ्ट करने की मांग फिर उठी है। मंगलवार को बड़ी संख्या में रहवासी कलेक्टोरेट पहुंचे और एडीएम अंकुर मेश्राम को आवेदन सौंपा। कहा कि रोज शाम को शराबी गलत हरकत करते हैं। इसलिए दुकान शिफ्ट की जाना चाहिए।रहवासियों ने एडीएम मेश्राम को बताया कि शराब दुकान धार्मिक स्थल और स्कूल के पास में है। इसके सभी दस्तावेज चांदबड़ के नाम से हैं। बावजूद यहां पर संचालित हो रही है। रोजाना शाम को शराबी हुड़दंग करने लगते हैं। इससे महिलाओं और बच्चों को खासी परेशानी होती है।

सराफा मार्केट में गिर सकती है जर्जर बिल्डिंग- सराफा मार्केट बैरागढ़ में दो मंजिला जर्जर बिल्डिंग को लेकर भी शिकायत की गई। बताया गया कि यह बिल्डिंग जर्जर अवस्था में है, जो कभी भी गिर सकती है। इस बारे में सराफा व्यापारियों ने कई बार आवेदन भी दिए, लेकिन निराकरण नहीं हुआ। समस्या का तत्काल निदान होना चाहिए।

जनसुनवाई में पहुंचे 119 आवेदन- कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को जनसुनवाई में आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 119 आवेदन प्राप्त हुए। एडीएम मेश्राम, भूपेंद्र गोयल भी मौजूद थे।